अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 319 लखनऊ, शनिवार, 07 जून 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

सूचना

'ईद-उल-अजहा' बकरीद पर्व पर राष्ट्रीय प्रस्तावना कार्यालय में 07 जून 2025 को अवकाश रहेगा, अतः अगला अंक 09 जून 2025 को प्रकाशित होगा।

संपादक

संक्षिप्त

भारत-मध्य एशिया संवाद में आतंकवाद की निंदा, सहयोग पर जोर

नई दिल्ली। भारत और मध्य एशिया के बीच आज दिल्ली में चौथा भारत-मध्य एशिया संवाद आयोजित किया गया। इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने की। इसमें कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री शामिल हुए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पोस्ट में बताया कि बैठक में कनेक्टिविटी, क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद, प्रौद्योगिकी सहयोग, विकास साझेदारी और जन-से-जन संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।

जी-7 की बैठक में भाग लेने कनाडा जायेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 देशों की शिखर बैठक में शामिल होने इस महीने कनाडा जायेंगे। यह बैठक 15 से 17 जून तक अलबर्टा प्रांत के कनानास्किस में होनी है। श्री मोदी ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी ने उन्हें फोन कर जी -7 की बैठक का न्यौता दिया। उनकी इस पोस्ट से पिछले कुछ दिनों से भारत के इस बैठक में शामिल होने को लेकर लगायी जा रही अटकलों पर विराम लग गया है। श्री मोदी ने कहा, ह्ल प्रधानमंत्री मार्क जे कानी का फोन आने पर प्रसन्नता हुई। मैंने उन्हें हाल के चुनावों में मिली विजय के लिए बधाई दी और कनानास्किस में इस महीने होने वाली जी-7 की बैठक में भाग लेने का आमंत्रण देने के लिए धन्यवाद दिया।

कोरोना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या पांच हजार के पार

नई दिल्ली। देशभर में कोराना संक्रमण के 464 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ कुल सक्रिय मामलों की संख्या शुक्रवार सुबह बढ़कर 5364 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 55 पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार आज सुबह आठ बजे तक देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 5364 पहुंच गयी। अभी तक 4724 मरीजों को स्वास्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 55 लोगों की मौत हुयी है।

चिनाब रेलवे पुल भारत की नई शक्ति और संकल्प का प्रतीक : मोदी

एजेंसी

● प्रधानमंत्री ने चिनाब रेलवे पुल का किया उद्घाटन, वंदेभारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

कटरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के कटरा में विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर सख्त शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के भविष्य के लिए विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता के विज़न को स्पष्ट किया। इस अवसर पर उन्होंने 46 हजार करोड़ से अधिक की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने घाटी में तेज़ी से हो रहे बदलाव को 'भारत की नई शक्ति और संकल्प का प्रतीक' बताया।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने इसे पाकिस्तान की एक सोची-समझी साजिश करार दिया, जिसका उद्देश्य घाटी में अशांति फैलाना और मेहनतकश लोगों की आजीविका को बाधित करना था। उन्होंने कहा कि यह हमला न सिर्फ निर्दोष पर्यटकों पर था, बल्कि 'कश्मीरियत और इंसानियत' पर भी हमला था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने घाटी में स्कूल जलाए, अस्पतालों को निशाना बनाया और दो पीढ़ियों के सपनों को कुचला है, लेकिन अब जम्मू-कश्मीर का युवा आतंकवाद के विरुद्ध सीना तानकर खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने आतंक पर पाकिस्तान को मिले करारे जवाब का उल्लेख करते हुए कहा कि आज 6 जून है, ठीक एक महीने पहले भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान की धरती पर आतंक के अड्डों को ध्वस्त किया। अब जब पाकिस्तान को इस ऑपरेशन का नाम भी सुनाई देगा, तो उसे अपनी हार और शर्म याद आएगी। भारत अब चुप रहने वाला नहीं है। हमारे सैनिकों ने जो किया, वह भारत की बदलती रणनीति और इच्छाशक्ति का प्रमाण है। अब आतंकवाद का जवाब उसी भाषा में दिया जाएगा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने चिनाब ब्रिज और अंजी पुल का उद्घाटन किया। चिनाब ब्रिज विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। इसकी ऊंचाई 359 मीटर और लंबाई 1,315 मीटर है। अंजी पुल भारत का पहला केबल-सपोर्टेड रेलवे पुल है। इसे अत्यंत चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुल भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, तकनीकी शक्ति और अदम्य साहस के प्रतीक हैं। ये सिर्फ पुल नहीं हैं, ये जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच विश्वास और विकास की मजबूत डोर हैं।

प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल परियोजना (यूएसबीआरएल) को राष्ट्र को समर्पित किया। यह 272 किमी लंबी परियोजना 36 सुरंगों और 943 पुलों से युक्त है और इसकी लागत 43,780 हजार करोड़ है। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से अब कश्मीर घाटी भारत के विशाल रेलवे नेटवर्क से जुड़ चुकी है। अब हम 'कश्मीर से कन्याकुमारी' तक के सपने को साकार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस रेल संपर्क से न केवल यातायात सुलभ होगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और शिक्षा को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने एक स्थानीय छात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि अपनी बातचीत में उसने कहा कि पहले लोग ट्रेन वीडियो में देखते थे, अब वे अपने गांव के सामने से गुजरती देख सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने रियासी जिले में बनने वाले 'श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस' की नींव रखी। इसकी लागत 350 करोड़ रुपये से अधिक है। इस संस्थान में 500 बिस्तरों की सुविधा होगी। साथ ही पिछले 5 वर्षों में राज्य में 7 नए मेडिकल कॉलेज खुल चुके हैं और एमबीबीएस सीटें 500 से बढ़कर 1300 हो गई हैं। उन्होंने कहा कि श्रीनगर और जम्मू में अब एम्स, आईआईटी, आईआईएम और एनआईटी जैसे संस्थान मौजूद हैं। इससे इस क्षेत्र को शिक्षा और नवाचार का हब बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को 'राष्ट्र का पहला रक्षक' बताया। उन्होंने घोषणा की कि गोलीबारी से प्रभावित परिवारों को पूरी सहायता दी जाएगी। जिनके मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें 2 लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों को 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। साथ ही सीमा क्षेत्र में 10 हजार बंकर बनाए जा रहे हैं और 2 नई बॉर्डर बटालियन तथा 2 महिला बटालियनों का गठन किया जाएगा। सीमा क्षेत्र के लिए 4,200 रुपये करोड़ की बुनियादी योजनाएं लागू की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन विकास परियोजनाओं से न केवल कनेक्टिविटी बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय उद्योगों जैसे सेब, ड्राई फ्रूट्स, पश्मीना शॉल, और हस्तशिल्पों को देशभर के बाजारों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। घाटी अब फिर से फिल्म शूटिंग और खेलों का केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया', 'मिशन मैन्युफैक्चरिंग' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को युवाओं से जोड़ते हुए कहा कि भारत अब रक्षा उत्पादों का निर्यातक बन चुका है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस बदलाव के भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, उत्पादक राष्ट्र बन रहा है। आने वाले समय में हम विश्व के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल होंगे और जम्मू-कश्मीर के युवा इस परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान लोगों से एक संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें भारत में बने सामानों को प्राथमिकता देनी है, उन वस्तुओं को जो हमारे देशवासियों के पसीने से बनी हैं। यही सच्ची देशभक्ति है, यही राष्ट्र की सेवा है। हमें सरहद पर अपनी सेना का सम्मान बढ़ाना है और बाजार में 'मेक इन इंडिया' के गौरव को नई ऊंचाई देनी है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत माता का मुकुट है और यहां के हर क्षेत्र में विकास की रोशनी फैल रही है। उन्होंने अमरनाथ यात्रा, खीर भवानी मेला, ईद, और धार्मिक उत्सवों का उल्लेख कर कहा कि ये सभी अब भय मुक्त और व्यवस्थित रूप में हो रहे हैं, जो जम्मू-कश्मीर की बदली तस्वीर को दर्शाते हैं।

भारतीय भाषाओं के विकास के लिए बना अलग अनुभाग: शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश की भाषाओं के विकास तथा उन्हें और समृद्ध बनाने और प्रशासन को विदेशी भाषा से मुक्ति दिलाने के लिए राजभाषा विभाग के तहत अलग से भारतीय भाषा अनुभाग बनाया गया है। श्री शाह ने इस अनुभाग का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना से राजभाषा विभाग एक सम्पूर्ण विभाग बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त कराने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। इस अनुभाग के गठन से भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच मिलेगा।

भारतीय भाषाओं भारतीय संस्कृति और भारत की आत्मा बताते हुए गृहमंत्री ने कहा कि स्थानीय भाषाओं को ताकत देकर ही देश विश्व में गौरवमयी स्थान पर पहुंचा सकता है। उनका कहना था कि सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदना को कम किए बिना टेक्नोलॉजी का उपयोग हो।

उन्होंने कहा , ह्लहमारी सोचने, विश्लेषण करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया जब हमारी मातृभाषा में होती है तभी हमारी क्षमता का भरपूर दोहन संभव है। उनका कहना था कि देश की सभी स्थानीय भाषाओं को ताकत देकर ही हम भारत को उसके चिरातन गौरवमयी स्थान पर पहुंचा सकते हैं।

समाज की जरूरत के अनुरूप सुविधाएं जुटाना सरकार का दायित्व: योगी

● 4.52 करोड़ रुपये की लागत से बने शहर के दूसरे कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा किसी भी सभ्य समाज के लिए उसकी जरूरत के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं और संसाधन जुटाना लोकप्रिय सरकार का दायित्व होना चाहिए। सुविधाओं और संसाधनों की व्यवस्था होना समस्या समाधान का भी मंच बनता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि आज के समय में समाज के अलग-अलग तबके के लिए उनकी आय के अनुरूप बेहतरीन सुविधाएं और व्यवस्थाएं देकर उनका जीवन आसान बना सकें।

सीएम योगी शुक्रवार को सूरजकुंड कॉलोनी में बने शहर के दूसरे कल्याण मंडपम का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। यह कल्याण मंडपम नगर निगम की तरफ से 4.52 करोड़ रुपये की लागत से 35500 वर्गफीट क्षेत्र में बनाया गया है। कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर नगर निगम प्रदेश का पहला नगर निगम है जिसने निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कल्याण मंडपम बनाने की पहल की। 11 से 25 हजार रुपये में यदि मांगलिक कार्य के लिए कल्याण मंडपम जैसा स्थल मिल जाए तो समारोह काफी आसानी, अच्छे और सस्ते में हो सकता है। इसके अलावा नगर निगम की तरफ से पांच और कल्याण मंडपम निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने विधायक निधि का पूरा पैसा कल्याण मंडपम के लिए दे दिया है। कहा कि गोरखपुर नगर निगम जैसी संस्थाएं अन्य निकायों के लिए मानक बन सकती हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट सिटी का जो विजन दिया है, उसे सेफ सिटी में भी बदलना है। हमें ऐसा शहर बनाना है जहां बेटी, व्यापारी, बच्चे, संभ्रांत समेत समाज का हर व्यक्ति खुद को सुरक्षित महसूस कर सके।

ब्रिक्स देश 'जीरो टॉलरेंस' की आतंकी नीति पर सहमत, भारत को सौंपी अध्यक्षता

एजेंसी

नई दिल्ली/ ब्राजीलिया। ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस'की नीति पर सहमति जताई है। ब्राजील की राजधानी ब्राज़ीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम के वार्षिक सम्मेलन में भारत सहित 10 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लोकसभा अध्यक्ष अध्यक्ष ओम बिरला सम्मेलन मे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। ब्रिक्स संसदीय फोरम का 12वां सम्मेलन भारत में होगा इसलिए सम्मेलन के अंतिम दिन श्री बिरला को अध्यक्षता सौंपी गई है। ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए साझा घोषणापत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संसदीय सम्मेलन में प्रतिनिधियों के विचार-विमर्श के बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था, अंतर-संसदीय सहयोग, वैश्विक शांति और सुरक्षा जैसे कई विषयों पर व्यापक चर्चा होने के बाद सहमति बनी। विभिन्न विषयों पर भारत की तरफ से प्रस्तुत दृष्टिकोण को सभी देशों ने सराहा और उसे सर्वसम्मति से अंतिम संयुक्त घोषणा में शामिल किया गया। सम्मेलन में भारत ने आतंकवादी हमलों की स्पष्ट और कड़ी निंदा की और आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त घोषणा में पहलगाम आतंकी हमले की भी कठोर शब्दों में निंदा की गई, और इस बार पर सभी देशों के प्रतिनिधियों के बीच सर्व सहमति बनी कि सभी ब्रिक्स देशों की संसद आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर कार्य करेगी।

आतंकी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में विफल रहा पाकिस्तान: बिरला

नई दिल्ली/ब्राजीलिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि आतंकवाद विश्व समुदाय के लिए आज सबसे बड़ा खतरा बन गया है और भारत के लिए पड़ोसी मुल्क से संचालित आतंकवाद संकट बना हुआ है लेकिन पाकिस्तान अपने क्षेत्र में आतंकी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में विफल हो रहा है। ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में हिस्सा लेने ब्राजील गये श्री बिरला ने ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया में ब्राजील फ़ेडरल सीनेट के अध्यक्ष सेन डेवी अल्कोलंबरे के साथ द्विपक्षीय बैठक में आतंकवाद का मुद्दा उठाया और कहा कि आतंकवाद विश्व शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है और इसे रोकना जरूरी है।

नीट-पीजी परीक्षा तीन अगस्त को एक ही पाली में

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 'नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन' (एनबीई) को मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2025, तीन अगस्त को एक ही पाली में आयोजित करने की शुक्रवार को अनुमति दी।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने एनबीई की याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने इस संस्था की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने उसकी अर्जी स्वीकार कर ली। इससे पहले 30 मई को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने अदिति और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनबीई को 15 जून को पूर्व निर्धारित दो की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी कहा था कि जरूरत पड़ने पर एनबीई परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की अनुमति के लिए गुहार लगा सकती है।

राहुल गांधी ने जाति जनगणना और कानून व्यवस्था का उठाया मुद्दा

● माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के परिजन से मिले राहुल गांधी

एजेंसी

पटना। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को नालंदा के राजगीर में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन के दौरान जाति जनगणना, संविधान और कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय पर लगातार हमले हो रहे हैं, लेकिन हम संविधान को मिटने नहीं देंगे। यह देश संविधान से ही चलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि देश की 90 फीसदी आबादी की सत्ता और फैसलों में कोई भागीदारी नहीं है। मुझे अपने देश की सच्चाई जाननी है, इसलिए मैं देश का एक्स-रे करना चाहता हूं। आप लोग इस गलतफहमी में नहीं रहिए। ये लोग सही जाति जनगणना नहीं होने देंगे। क्योंकि ये लोग जानते हैं कि जिस दिन सही जाति जनगणना करा लेंगे, इनकी राजनीति खत्म हो जायेगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हों। हम सब मिलकर इस देश को न्याय और भाईचारे के रास्ते पर आगे ले जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार की पुरानी परिभाषा सत्य, न्याय और अहिंसा थी। लेकिन नयी परिभाषा 'क्राइम कैपिटल' ऑफ इंडिया हो गया। इस राज्य ने न सिर्फ हिंदुस्तान को, बल्कि दुनिया को भी रास्ता दिखाया है। लेकिन आज यहां कानून-व्यवस्था चौपट है और जनता असुरक्षित महसूस कर रही है।

बेंगलुरू हादसा: आरसीबी के मार्केटिंग हेड समेत चार गिरफ्तार, न्यायिक आयोग का गठन

एजेंसी

बेंगलुरू। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विजय समारोह के दौरान हुई भगदड़ मामले में पुलिस ने आरसीबी से संबंधित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि इवेंट कंपनी के तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। कर्नाटक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी आरोपितों से पूछताछ कर रहे हैं। चिन्नास्वामी भगदड़ मामले में बेंगलुरु की कब्बन पार्क पुलिस ने शुक्रवार को आरसीबी मार्केटिंग विभाग के प्रमुख निखिल सोसले को गिरफ्तार किया है, जबकि इवेंट कंपनी डीएनए इंस्टीट्यूट के सुनील मैथ्यू, किरण और सुमंत को हिरासत में लिया गया है। शेषाद्रिपुर अनुमंडल के एसीपी प्रकाश पुलिस चारों आरोपितों से पूछताछ कर रहे हैं। निखिल को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह मुंबई जाने के लिए एयरपोर्ट जा रहा था।

कर्नाटक पुलिस गिरफ्त में लिये गये लोगों से फिलहाल यह जानने की कोशिश कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन में किन-किन नियमों की अनदेखी की गई, किसकी अनुमति से आयोजन हुआ और क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं? इसके पीछे कौन जिम्मेदार है? इससे पहले गुरुवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उपरोक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश दिया, जिसके बाद स्टेडियम की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार इवेंट कंपनी के तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के मुताबिक चारों से पूछताछ की जा रही है और गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम तक उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

उधर, केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) पुलिस ने कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम के घरों पर छापा मारा, जिन्होंने बिना अनुमति के आरसीबी की जीत का आयोजन किया। पता चला है कि गिरफ्तारी के डर से दोनों पहले ही लापता हो गए हैं।

इस बीच, भगदड़ के सिलसिले में मामला दर्ज होने के बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) की शासी संस्था ने एफआईआर रद्द करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। समिति के अध्यक्ष रघुराम भट, सचिव ए. शंकर और कोषाध्यक्ष ई.एस. जयराम द्वारा दायर याचिका पर न्यायमूर्ति कृष्ण कुमार की पीठ के समक्ष शुक्रवार दोपहर 2.30 बजे सुनवाई होनी है। कर्नाटक सरकार ने भी कार्रवाई करते हुए बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर समेत आठ वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और पूरी घटना की जांच सीआईडी को सौंप दी है।

विराट कोहली के खिलाफ शिकायत दी गई

बेंगलुरू। बेंगलुरु में आरसीबी टीम की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ मामले में आरसीबी के प्रमुख खिलाड़ी विराट कोहली के खिलाफ भी शिकायत दी गई है। इस मामले में बेंगलुरु के कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में आरसीबी, केएससीए और डीएनए के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। इसके अलावा भगदड़ में घायल एक व्यक्ति ने आरसीबी फ्रेंचाइजी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद अब रियल फाइटर्स फोरम ने मांग की है कि आरसीबी के प्रमुख खिलाड़ी विराट कोहली के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। कब्बन पार्क पुलिस को रियल फाइटर्स फोरम के एचएम वेंकटेश से एक शिकायत दी गई है।

बैंकॉक में यूपी टूरिज्म की इंटरनेशनल ब्रांडिंग की तैयारी में जुटी योगी सरकार

- मंदिरों की वास्तुकला और महिमा को लेकर होंगे विशेष आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पटल पर चमकाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग आगामी 26 से 28 अगस्त 2025 तक बैंकॉक में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (घ्इृइ) 2025 में अपनी भव्य उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गया है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और निवेशकों के लिए एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में पेश करेगा, जिससे प्रदेश की पर्यटन क्षमता और अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। पाटा बैंकॉक 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 36 वर्ग मीटर के शानदार स्टॉल के माध्यम से राज्य की अनूठी छटा प्रदर्शित करेगा। यहां बौद्ध सर्किट जैसे सारनाथ, कुशीनगर और श्रावस्ती, साथ ही आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थल जैसे वाराणसी, अयोध्या और महाकुम्भ को प्रमुखता दी जाएगी। स्टॉल में एलईडी वॉल स्क्रीन और ऑटो-नेविगेशन स्क्रीन पर राज्य के पर्यटन स्थलों की जीवंत छवियां प्रदर्शित की

जाएंगी। पर्यटक एआर (आग्युमेटेड रियलिटी) आधारित डिजिटल टच पैनल पर उत्तर प्रदेश के छह खूबसूरत स्थलों की पृष्ठभूमि में सेल्फी भी ले सकेंगे। यहां आने वाले मेहमानों को न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट) से परिचित कराया जाएगा, बल्कि प्रदेश के ऐतिहासिक मंदिर, उनकी वास्तुकला और महात्म्य का भी रचनात्मक प्रदर्शन होगा, जिससे प्रदेश की समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की विशिष्ट झलक मिलेगी। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस आयोजन में न केवल यूपी की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी बल्कि योगी सरकार की इससे आगे बढ़कर बैंकॉक में एक दिन के अंतरराष्ट्रीय रोडशो का आयोजन भी करेगी, जो पाटा आयोजन से पहले या बाद में होगा। इस शानदार रोडशो में 100 से अधिक स्टेक होल्डर्स प्रतिभाग करेंगे, जैसे ट्रैवल ट्रेडर्स, ट्रैवल मीडिया और प्रभावशाली हस्तियां भी मौजूद रहेंगी। आयोजन बैंकॉक के द वेस्टिन ग्रांड सुखमवित, बैंकॉक मारियट मार्क्विस क्वीन्स पार्क या रैडिसन ब्लू प्लाजा जैसे तारांकित होटल में होगा। यहां हाई-टी, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जो उत्तर प्रदेश के पर्यटन पैकेज और निवेश अवसरों को हाइलाइट करेंगी। यहां तस्वीरें, फिल्में और प्रचार सामग्री भी प्रदर्शित की जाएंगी। अंग्रेजी में निपुण अधिकारी और स्थानीय भाषा के दुभाषिए आगंतुकों को प्रदेश की खूबियों से रूबरू कराएंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की अपील बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से थाईलैंड के तीन प्रमुख टीवी और तीन रेडियो चैनलों पर 30-सेकंड की प्रचार सामग्री सुबह और शाम के पीक आवर्स में तीन दिनों तक प्रसारित होगी। इसके अलावा, बैंकॉक के हवाई अड्डों, मेट्रो स्टेशनों, मॉल और बस टर्मिनस जैसे 10 प्रमुख स्थानों पर 30-सेकंड की प्रचार सामग्री 15 बार प्रतिदिन, तीन दिनों तक दिखाई जाएगी।

बैंकॉक में उत्तर प्रदेश पर्यटन की अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग की तैयारी में जुटी राज्य सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पटल पर प्रदर्शित करने के लिए अगस्त माह में बैंकॉक में आयोजित होने जा रहे प्रतिष्ठित पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा) 2025 में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गयी है। राज्य सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पर्यटन विभाग आगामी 26 से 28 अगस्त तक बैंकॉक में आयोजित होने वाले पाटा 2025 में अपनी भव्य उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गया है। इस आयोजन के जरिये उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में पेश किया जाएगा। इससे प्रदेश की पर्यटन क्षमता और अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। उन्होंने बताया कि पाटा बैंकॉक 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 36 वर्ग मीटर क्षेत्र में लगाए जाने वाले स्टॉल के माध्यम से राज्य की अनूठी छटा प्रदर्शित करेगा। यहां बौद्ध परिपथ जैसे सारनाथ, कुशीनगर और श्रावस्ती के साथ-साथ आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थलों जैसे वाराणसी, अयोध्या और महाकुंभ को प्रमुखता दी जाएगी। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, इस स्टॉल में एलईडी वॉल स्क्रीन और ऑटो-नेविगेशन स्क्रीन पर राज्य के पर्यटन स्थलों की जीवंत तस्वीरें प्रदर्शित की जाएंगी। पर्यटक एआर (आग्यूमेंटेड रियलिटी) आधारित डिजिटल टच पैनल पर उत्तर प्रदेश के छह खूबसूरत स्थलों की पृष्ठभूमि में सेल्फी भी ले सकेंगे। यहां आने वाले मेहमानों को न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद) से परिचित कराया जाएगा, बल्कि प्रदेश के ऐतिहासिक मंदिर, उनकी वास्तुकला और महात्म्य का भी रचनात्मक प्रदर्शन होगा। बयान के अनुसार, राज्य सरकार बैंकॉक में एक दिन के अंतरराष्ट्रीय रोडशो का आयोजन भी करेगी। इस रोडशो में ट्रैवल ट्रेडर्स, ट्रैवल मीडिया और प्रभावशाली हस्तियों सहित 100 से अधिक हितधारक हिस्सा लेंगे। अंग्रेजी में निपुण अधिकारी और स्थानीय भाषा के दुभाषिए आगंतुकों को प्रदेश की खूबियों से रूबरू कराएंगे। पाटा बैंकॉक 2025 में प्रदेश की भागीदारी राज्य की बौद्ध, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया भर के पर्यटकों और निवेशकों तक पहुंचाएगी। यह आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि निवेश के नए अवसर भी खोलेगा। इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

शहीद भगत सिंह वार्ड तृतीय में स्थित बरखुद्दारपुर निकट श्याम सिंह इंटर कॉलेज के पास गंदगी का अंबार

- जल निकासी वाले नाले और सरकारी भूमि पर दबंगों का अवैध कब्जा
- दबंगई के चलते शासन प्रशासन और नगर निगम बेबस और बेहाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के अंतर्गत थाना गुडंबा कुर्सी रोड पर शहीद भगत सिंह वार्ड तृतीय में स्थित बरखुद्दारपुर निकट श्याम सिंह इंटर कॉलेज के पास का यह नारकीय दृश्य है जहां सीवर तथा घोषियों का गोबर एवं अन्य आसपास के आबादी का गंदा पानी मालवा कूड़ा कचरा कई वर्षों से अज्ञात कर्म वर्ष एकत्र हो रहा है जिससे अनेक प्रकार की दुर्गंध एवं महामारी की स्थिति उत्पन्न हो गई है कई लोगों की अकाल मृत्यु भी हो गई है स्थानीय निवासियों ने बताया है की जल निकासी वाले नाले और सरकारी भूमि पर कुछ दबंग भूमिया और घोसियों ने अवैध कब्जा करके जल निकासी के मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है उनकी दबंगई के चलते शासन प्रशासन और नगर निगम बेबस और बेहाल है जिनकी लाचार कार्य प्रणाली का खामियाजा वहां के निवासियों को भुगतना पड़ रहा है विकास कार्य के नाम पर एक भी कार्य शुरू नहीं कराया गया है क्या यह नगर निगम का हिस्सा नहीं है क्या यहां पर बजट नहीं है या स्वास्थ्य विभाग और अभियंत्रण विभाग की टीम ने अपना काम करना छोड़ दिया है आखिर यहां के निवासियों ने कौन सा गुनाह किया है जिसका खामियाजा उन्हें यह नरक से भी बत्तर जिंदगी जीने के लिए विवश कर रहा है एक तरफ वर्षा ऋतु से पहले नाला नाली की तली झाड़ सफाई का अभियान चल रहा है दूसरी तरफ नाला नाली की सफाई तो छोड़िए सारा गंदा पानी सीवर और गोबर लगभग 10 बीघा जमीन में 2 मी मोटी परत के साथ कई वर्षों से एकत्र है जिसका हाल-चाल लेने के लिए भी कोई नहीं गया इसी शहर में इस प्रकार का भेदभाव निवासियों के साथ क्यों किया जाता है समझने पड़े हैं प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी सचेत होकर इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करें वर्षा होने पर पूरा क्षेत्र जलमग्न हो जाएगा आखिर जल निकासी का प्रबंध क्यों नहीं किया गया नाला किसके द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया क्या इसकी जांच करना भी मुनासिब नहीं समझ गया जागो जल्दी जागो मानसून आ गया है।

दिनेश कुमार शर्मा
एडवोकेट
हाईकोर्ट
सामाजिक एवं सूचना अधिकार अधिनियम प्रकरण विशेषज्ञ

नेहरू के कारण जम्मू कश्मीर का एक हिस्सा पीओके हो गया : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जम्मू कश्मीर समस्या के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराया है। उप मुख्यमंत्री शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि कांग्रेस का दूसरा देशद्रोह! पाकिस्तान ने अपनी स्थापना के तुरंत बाद कश्मीर के एक हिस्से पर भी कब्जा कर लिया। अपनी जाबांज सेना ने पाक को काफ़ी पीछे तक खदेड़ दिया था और बाकी हिस्से को छुड़ाने के लिए बेताब थी, लेकिन तबके कथित 'शांतिदूत' प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पाक के सामने सरेंडर कर दिया। उनके कारण भारत के जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा पाक-अधिकृत कश्मीर हो गया। एक अन्य पोस्ट में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी खुद को देश, संविधान, सेना, सरकार और अब तो न्यायालय से भी ऊपर समझने लगे हैं। कांग्रेस के बड़े नेता भी पदों पर बने रहने के लिए उनकी परिक्रमा और चमचागीरी में ही व्यस्त हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में आठ लाख से अधिक किसान शामिल हुए : कृषि मंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान यूपी में 4959 स्थानों पर कुशलता पूर्वक किया गया है। इसमें आठ लाख से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। कृषि, उद्यान समेत अन्य विभागों के विशेषज्ञ ने किसानों को खेती किसानी के लिए जागरूक किया। खाद, गोबर की खाद डालने, बीज डालने, समय के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। शाही ने शुक्रवार को यहां लोकभवन में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार किसानों के साथ खड़ी है। इस अभियान में 8 लाख 39 हजार 617 किसान शामिल हुए। इसमें 648449 पुरुष और 191168 महिला किसान रहीं। 550 वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा किसानों को जागरूक किया गया। कृषि मंत्री ने बताया कि खरीफ 2025 के लिए 458000 निशुल्क मिनीकिट वितरण की तैयारी है। मूंग, उर्द और अरहर जैसे दलहन की 105000 किट, तिल का एक लाख किट, मूंगफली का 6000 और मिलेट्स (सांवा, कोदो, ज्वार, बाजरा एवं रागी) का 247000 किट वितरित किया जाएगा। शाही ने कहा कि हमारी सरकार मक्के की खेती को प्रोत्साहित कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री योगी खुद मक्का की खेती वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर रहे हैं। आठ जून को मक्का की खेती करने वाले किसानों के बीच मुख्यमंत्री जाएंगे। शाही ने पश्चिम से पूर्व तक मक्का की खेती करने वाले जिलों का भी उल्लेख किया। दो लाख 37 हजार मीट्रिक टन से अधिक मक्का मंडी तक पहुंच गया है।मक्का और मूंगफली जैसी फसलों की खेती बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश में खरीफ फसलों की समय से बुवाई हो एवं किसान अच्छा उत्पादन प्राप्त कर अपनी आमदनी बढ़ाएं, इसके लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। इसी क्रम में 41067.12 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना हेतु 16290 लाख, फूड एवं न्यूट्रिशन सिक्योरिटी के लिए 10276.92 लाख और कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत 14500.20 लाख किया गया है। इस मौके पर कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख समेत कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी ने 29 मई को शुरू किया था। इस अभियान में सबसे अधिक यूपी के किसान शामिल हुए हैं।

लाल मिर्च में मिलाये जाने वाला सूडान फर्स्ट व सेकेंड बेहद हानिकारक : खाद्य सुरक्षा आयुक्त

लखनऊ। प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त राजेश कुमार ने बताया कि भारतीय मसालों के भीतर लाल मिर्च पाउडर का उपयोग बहुत होता है। लाल मिर्च पाउडर को टेस्ट के लिए आलू टिक्की, दही बड़े, आलू पापड़ के ऊपर से भी डाला जाता है। इस लाल मिर्च में मिलावट के लिए सूडान का इस्तेमाल किया जाता है। सूडान कई प्रकार के होते है, इसमें लाल मिर्च में मिलाये जाने वाला सूडान फर्स्ट (प्रथम) एवं सेकेंड (द्वितीय) बेहद हानिकारक है। आयुक्त राजेश कुमार ने बताया कि सूडान के बारे में बताये तो यह एक सिंथेटिक रसायन है। इसे खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए उपयोग किया जाता है। सूडान को रंगने के लिए ज्यादातर बड़े दुकानदार इसे उपयोग में लाते हैं। लाल मिर्च में इसका उपयोग उसे और अधिक लाल करने के लिए किया जाता है। ऐसे में दुकानदार पुरानी या खराब हो चुकी लाल मिर्च में सूडान का उपयोग कर उसे फिर से बेहतर कर बेच देते हैं।

हिन्दवी स्वराज्य दिवस समारोह 09 जून को छत्रपति शिवाजी भवन का होगा लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। हिन्दीवी स्वराज्य दिवस समारोह के संयोजक संजय शुक्ला ने बताया कि आगामी नौ जून को अपराह्न तीन बजे से लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में हिन्दवी स्वराज्य दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह होगें। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कुटुम्ब प्रबोधन संयोजक रवीन्द्र जोशी उपस्थित रहेगें। वहीं समारोह की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर आलोक कुमार राय करेगें। समारोह संयोजक संजय शुक्ला ने शुक्रवार को बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज की स्थापना की थी। इसी दिवस पर हम प्रति वर्ष हिन्दवी स्वराज्य दिवस मनाते हैं। इस वर्ष भी लखनऊ विश्वविद्यालय में कर्मचारी सांस्कृतिक व क्रीड़ा परिषद ने छत्रपति शिवाजी महाराज के साम्राज्योत्सव ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी के अवसर पर हिन्दवी स्वराज्य दिवस समारोह का आयोजन किया है। समारोह के दौरान भाजपा के महामंत्री संगठन धर्मपाल के कर कमलों से मालवीय सभागार में छत्रपति शिवाजी भवन का लोकार्पण किया जाएगा। इसी भवन में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ का मुख्यालय है। इस भवन से ही महासंघ की गतिविधियां चलती हैं।

अज्ञात वाहन से टकराई अल्टो कार, ड्राइविंग सीट में फंसे व्यापारी की मौत, 2 घायल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के किसान पथ आउटर रिंग रोड पर एक अल्टो कार अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे में कार चालक रिजवान (35) की मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथी शादाब (22) और जहीर (45) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बाद में उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राणा ने बताया कि घटना सुबह करीब 4रू30 बजे की है। तीनों व्यापारी बनारस से अपने घर उन्नाव जा रहे थे। वे बनारस के कछुआ चौमानी मोहल्ले में सीमेंटेड गमले बनाने और बेचने का काम करते थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अल्टो कार किसी अज्ञात वाहन से पीछे से टकराई।

क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान ने किया पौधारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के प्रांगण में संस्थान के समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं बहिरंग अनुभाग में आये रोगियों को सिंगल-यूज प्लास्टिक एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. संजय कुमार सिंह द्वारा सभी को शपथ दिलाई गई। साथ ही प्रभारी सहायक निदेशक द्वारा बहिरंग अनुभाग में आये रोगियों एवं संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निःशुल्क औषधि पौधों का वितरण भी किया गया। एवं प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. संजय कुमार सिंह, द्वारा संस्थान में पौधा रोपण किया गया। जिसमें संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पौधा रोपण में भाग लिया गया।

सरकार ने जानबूझ कर ले ली अब्बास अंसारी की सदस्यता: अखिलेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि अब्बास अंसारी की सदस्यता सरकार ने जानबूझ कर ले ली है। सरकार में बैठे लोग क्या कह रहे हैं। मेरा डीएनए पूछ रहे हैं जो लोग, उनकी सदस्यता क्यों नहीं जा रही है। कभी कभी फैसला लेने के लिए कुछ लोगों को सही जगह भेजा गया है। भाजपा के लोग जो बयान दे रहे हैं, उनकी सदस्यता कभी नहीं जायेगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि एक अधिकारी अच्छा कार्य कर रहा था, उसे अंडरग्राउंड होना पड़ा। वहीं एक अधिकारी के उत्तराखंड में मिला धन, के संबंध में कुछ नहीं हुआ। अखिलेश यादव ने कहा कि जन्मदिन व्यक्ति का है तो मुबारकबाद व्यक्ति को ही दिया जायेगा। मैने किसी पद को मुबारकबाद नहीं दी। अखिलेश यादव ने कहा कि कुल लोग हमारे साथ जीते थे, लेकिन उन्हें कुछ मिला तो उन्होंने लौयल्टी बदल ली। 2027 में उत्तर प्रदेश की जनता न केवल सस्पेंड करेगी, हमेशा के लिए विदाई कर देगी। एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि कार्यवाहक डीजीपी देखने में तो अच्छे लग रहे है। किंतु बुना हुआ जाल है तो उससे कितना बच पायेगें। उत्तर प्रदेश वो प्रदेश हो गया है, जहां पुलिस तो पुलिस पर ही एफआईआर लिखा रही है। पुलिस से पालिटिकल कार्य लेगें तो ऐसा ही होगा। समाजवादी पार्टी को आज समर्थन देने वाली सरदार सेना की ओर इशारा करते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि 2027 में पीडीए सरकार में ही जातीय जनगणना होगी। तभी सही प्रकार से जनगणना होगी। आरक्षण के मुद्दे पर सरदार सेना तैयार है। सभी मिलकर पीडीए सरकार बनाने में मदद करें। किसानों के प्रश्न पर अखिलेश ने कहा कि सरकार ने सभी मंडियां खराब कर दी। फसलों को प्राइवेट स्तर पर बेच दिया गया। किसानों को कहां लाभ मिला है।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की कर्मभूमि में हो रहा पर्यटन विकास

- शौर्य की प्रतीक भूमि झांसी की खेल-संस्कृति भी बनेगी उत्कृष्टता का गौरव: जयवीर सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा झांसी जनपद स्थित मेजर ध्यानचंद हिल पर पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु 02.16 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य प्रारंभ किए गए हैं। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल मेजर ध्यानचंद की विरासत को सम्मान देना है, बल्कि ऐतिहासिक धरती झांसी को प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना भी है। यह जानकारी उप्र. के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की ऐतिहासिक धरती झांसी में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि स्वरूप पर्यटन विकास कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत पर्यटन स्थल पर बैठने की सुविधा, पेयजल की व्यवस्था, छायादार स्थान सहित अन्य पर्यटन अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि मेजर ध्यानचंद का जन्म इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। उनका बाल्यकाल और शेष जीवन झांसी में ही बीता, जिससे यह शहर उनके जीवन के महत्वपूर्ण पलों से जुड़ा रहा है। 'हॉकी के जादूगर' के रूप में प्रसिद्ध ध्यानचंद ने भारत को वर्ष 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया, जिससे भारतीय हॉकी वैश्विक शिखर तक पहुंची। बेहतरीन गेंद नियंत्रण और गोल करने की कला के कारण उन्हें 'मैजिशियन ऑफ हॉकी' जैसी उपाधियां मिलीं। देश में उनके जन्मदिन यानी 29 अगस्त को भारत में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। जयवीर सिंह ने बताया कि झांसी वीरों की भूमि है। जहां एक ओर रानी लक्ष्मीबाई की शौर्य गाथा है, तो दूसरी ओर मेजर ध्यानचंद जैसी महान विभूति की उपलब्धियां भी इसे गौरवान्वित करती हैं। यह विकास कार्य केवल अवसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और नई पीढ़ियों को प्रेरणा देने का माध्यम भी है। विभाग का यह प्रयास झांसी को न केवल शौर्य की प्रतीक भूमि, बल्कि खेल और संस्कृति में भारतीय उत्कृष्टता के प्रतीक स्थल के रूप में भी स्थापित करती है।

यूपी के कलाकार भोपाल में 06 से 10 जून तक प्रस्तुत करेंगे रंगारंग कार्यक्रम

लोककला और संस्कृति के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मिलेगा बढ़ावा :जयवीर सिंह

लखनऊ। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत 06 से 10 जून 2025 तक उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के बीच किये गये समझौता ज्ञापन के तहत उत्तर प्रदेश के लोक कलाकार मध्य प्रदेश भोपाल के जनजातीय संग्रालय की 12वीं वर्षगाँठ समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के लोक कलाकार उत्तर प्रदेश में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर प्रयागराज की सुप्रिया सिंह रावत के नेतृत्व में कलाकारों का एक दल देढ़िया नृत्य 09 व 10 जून को करेंगा। इसी प्रकार मथुरा के मुराली लाल तिवारी के नेतृत्व में कलाकारों का दल 07 व 08 जून को चररकूला, मयूर नृत्य और होली रसिया जैसी प्रस्तुतियाँ देगा। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस संस्कृतिक आदान-प्रदान से भाषाई, एतिहासिक और समाजिक संबंधो को मजबूत बनाने के साथ-साथ सामाजिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बहुभाषिक, बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश में एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी पहल अत्यन्त जरूरी है, क्योंकि यह राष्ट्र की विविधिता के बीच सेतु का कार्य करती है। यह आयोजन इसी दिशा में एक प्रभावी कदम है, जिसके माध्यम से कला, संस्कृति लोक जीवन और सामाजिक संवाद को बढ़ाने में सफलता मिलेगी। जयवीर सिंह ने बताया कि ''हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश की विविधतापूर्ण और समृद्ध लोक परंपराओं को देश के अन्य हिस्सों का प्रतीक माना जाता है। वहीं मयूर नृत्य राधा-कृष्ण की प्रेमगाथा को दर्शाते हुए मौर की नकल में प्रस्तुत किया जाता है। होली रसिया, होली के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत हैं, जिनमें ब्रज भाषा की में पहुंचाना है। इस प्रकार के आयोजन कलाकारों को न केवल नई पहचान देते हैं, बल्कि राज्यों के बीच सौहार्द और परस्पर सम्मान की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। भोपाल का यह आयोजन एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि कैसे लोक कला और संस्कृति के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को बल दिया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध अम्बेडकर महोत्सव व् प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शुक्रवार को द बुद्धिष्ट सोसाइटी ऑफ इण्डिया शाखा हरदोई द्वारा अम्बेडकर पार्क हरदोई मे अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध अम्बेडकर महोत्सव व् प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा ने सामाजिक समरसताए समानता एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिमूर्ति भारत रत्न डॉ0 भीमराव अम्बेडकर एवं दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों में अग्रणी बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन समर्पित किये।

इसी क्रम मे अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने महोत्सव मे उपस्थित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर, उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बौद्ध भिक्खुजन, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, सदस्य जिला पंचायत पिहानी सोनू भारती, कार्यक्रम आयोजक वरिष्ठ शिक्षक रनवीर सिंह, जिलाध्यक्ष द बुद्धिष्ट सोसाइटी हरदोई अजीत बिहारी बौद्ध व् गुड्डी सिंह बौद्ध सहित बौद्ध धर्म अनुयायी, होनहार विद्यार्थी व् क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

वेदप्रकाश पांडे जिलाध्यक्ष व राकेश पाण्डेय जिला मंत्री चुने गए

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। यू०पी० बैंक इम्प्लाइज यूनियन की जिला इकाई के चुनाव बैंक ऑफ इंडिया के वेदप्रकाश पांडे जिला अध्यक्ष व पीएनबी के राकेश पाण्डेय जिला मंत्री चुने गए।

शहर के सरकुलर रोड स्थित एक मैरिज लान के सभागार में इम्प्लाइज यूनियन के आगामी त्रिवार्षिक सत्र के लिये पदाधिकारियों का चुनाव कर कार्यकारिणी का गठन हुआ। इस आमसभा में जिले की राष्ट्रीयकृत बैंकों, सहकारी बैंक व ग्रामीण बैंक के कर्मचारी शामिल हुए। चुनाव अधिकारी दीपक शुक्ला सेवानिवृत्त प्रबंधक जिला सहकारी बैंक ने आगामी त्रिवार्षिक सत्र के लिए पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न कराया। पीएनबी के अजय मेहरोत्रा, यूनियन बैंक से कौशलेंद्र शुक्ला, बैंक ऑफ इंडिया से आनंद वर्मा को उपाध्यक्ष चुना गया। बैंक ऑफ इंडिया से वीर बहादुर सिंह संयुक्त मंत्री चुने गए। सेंट्रल बैंक की वर्षा मेहरोत्रा को कोषाध्यक्ष चुना गया। जिला सहकारी बैंक के संजय राठी, केनरा बैंक के अनुज सिंह, बैंक आफ बड़ौदा के अनादि ब्रम्ह, केनरा बैंक के दीपक बाजपेई, इंडियन बैंक के गौरव को संगठन मंत्री चुना गया। सहायक मंत्रियों में पीएनबी के आनंद गुप्ता, बैंक ऑफ बड़ौदा से अनिल कुमार, बैंक ऑफ इंडिया से मो0 असलम अंसारी, इंडियन बैंक से राहुल दिवाकर, ग्रामीण बैंक से अभिषेक गुप्ता, यूनियन बैंक से विपिन गुप्ता चुने गए। आडीटर पद पर यूनियन बैंक के अमित पाण्डेय चुने गए। पीएनबी से प्रिया रस्तोगी महिला संयोजिका व इंडियन बैंक से रानी देवी सह संयोजिका चुनी गई। चुनाव से पूर्व निवर्तमान जिला मंत्री अजय मेहरोत्रा ने आमसभा के पटल पर अपना मंत्री प्रतिवेदन रखा जिसमें उन्होंने अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, आर्थिक, बैंकिंग परिदृश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगठन व इकाई के क्रियाकलापों पर भी चर्चा की।

जेसीबी मशीन से तालाब खोद कर उड़ाई जा रही हैं मनरेगा की धज्जियां, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। ब्लॉक की ग्राम पंचायत सहादत नगर में भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया है। प्रधान द्वारा तमाम कार्यों का पैसा बिना कार्य किए हुए हड़प कर लिया गया। जिस पर जांच कमेटी भी गठित की गई। इसके कई भ्रष्टाचार युक्त कारनामों पर जांच चल रही है। इसी बीच शुक्रवार की सुबह 9:00 बजे से अमृत सरोवर तालाब को प्रधान द्वारा जेसीबी मशीन से खुदाई करने का कार्य किया जा रहा है । वीडियो में हमारे दर्शक साफ देख सकते हैं कि एक जेसीबी मशीन तालाब के अंदर तालाब की खुदाई का कार्य कर रही है और तीन.चार ट्रैक्टर ट्रालियां भी तालाब के अंदर और बाहर मौजूद है।

इससे स्पष्ट होता है कि शाहाबाद ब्लॉक में भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर है। सत्ता के संरक्षण में प्रधान पूरी तरह से बेखौफ हो चुका है। भ्रष्टाचार के कई कार्यों पर जांच होने के बाद भी दबंग प्रधान जेसीबी मशीन से तालाब खुदवा सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा की धज्जियां उड़ा रहा है। यह अवैध कार्य समाचार लिखे जाने तक जारी था। शुक्रवार को पूर्वाह्न 11रू00 बजे से यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खंड विकास अधिकारी गौरव पुरोहित से जब बात की गई तो उन्होंने कहा तालाब खुदाई का कार्य केवल मनरेगा मजदूरों से ही कराया जा सकता है। जेसीबी मशीन से नहीं। उन्होंने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया।

(नमूना काबिल फरोक्त)

(सम्मन वास्ते कारोरदा उसूर तबह तलब)

(आर्डर 4 कायदा 2 व)

नम्बर जिला मुद्दई

पेशी- 12.06.2025, नाम मुकदमा- धारा 116 उ0प्र0रा0स0

श्रीमान् उप जिला अधिकारी महोदय तहसील शाहाबाद, हरदोई उत्तर प्रदेश

नाम फरीकन- राम प्रकाश बनाम जयदयाल

साकिन मुद्दाअलेह

हरगाह ..... आदि ने नाबिल बतारीख दायर की गई है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख माह सन् ई0 बवक्त बजे दिन के असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा के हालात सरकार वक्त वाकिफ किया गया हो और कुछ उजारत बहाल मुतालिब के मुकदमा का जवाब दे सकेगा जिसके बाद कोई सनद हो कि जो बनाम ऐसे अदालत को दे सके कि हाजिर हो और जवाबदेही को करें। आपको लाजिम है कि उसी राज गुमला दस्तावेज पेश कार आपको लाजिम अपना जवाबदेही वक्त तालीम चाहते हैं। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर आप बरोज बुनकर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिर आपको महसूस और फसल होगी बबावत मेरे दस्तखत और मोहर अदालत ने आज बतारीख ..... माह सन् 20 ई0 को जारी किया गया है।

इत्तिला जब

1. आपको यह आदेश दिया जाता है कि आपके द्वारा गवाह अपनी मर्जी से हाजिर न होंगे तो आप अदालत हाजी सम्मन मराद जारी करवा सकते है कि जो गवाह हो उसे जब हाजिर कराया जाय और दस्तावेज को किसी तरह से पेश करने की आप इत्तेहाक रखते है वह उससे पेश कराई जाये व शर्ते खर्चा जरूर अदालत में दाखिल करने इस अर्ज की दरख्वास्त गुजरायें।

2. अगर आप मुतालिब मुद्दई की तामील करते हैं तो आपको लाजिम है कि रूपया मय खर्चा जालित अदालत से दाखिल करें ताकि कार्यवाही इजरा डिग्री की जो डायरी जानमाल या दानों पर करना पड़े।

उप जिला अधिकारी

तहसील शाहाबाद, हरदोई

पुलिस लाइन में एसपी ने किया निरीक्षण

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण किया।

■ जवानों की तैयारी और अनुशासन परखा, डायल 112 वाहनों और बैरक की व्यवस्था देखी

उन्होंने परेड ग्राउंड में जवानों की तैयारी और अनुशासन का मूल्यांकन किया। एसपी ने डायल 112 वाहनों की जांच की। क्वार्टर गार्ड और आरटीसी बैरक का निरीक्षण भी किया। उन्होंने साफ-सफाई, हथियारों की स्थिति और आपातकालीन सेवाओं की तैयारी देखी। अधिकारियों को संसाधनों के उचित उपयोग के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी शाहाबाद और बघौली मौजूद रहे। प्रतिसार निरीक्षक भी उपस्थित थे। एसपी ने कहा कि अनुशासन और दक्षता पुलिस बल की पहचान है। उन्होंने जवानों से कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करने को कहा। प्रशिक्षणरत पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित किया गया। एसपी ने कहा कि वे प्रशिक्षण से अधिक से अधिक सीखें। अधिकारियों को पुलिस लाइन की व्यवस्था नियमित रूप से सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

एसपी ने थानाध्यक्ष को फटकार लगाते हुए न्याय दिलाने के लिए दिए निर्देश

माधौगंज (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विपक्षी द्वारा खेत की जुताई करा कर अपनी फसल बोने की शिकायत पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से की। एस पी ने थानाध्यक्ष को फटकार लगाते हुए पीड़ित को न्याय दिलाने के निर्देश दिए। सुधा पत्नी सर्वेश कुमार निवासी बेहटा धीरा थाना बेहटा गोकुल उसकी जमीन थाना माधोगंज के अंतर्गत बाघौड़ा गांव में जमीन है इसमें उसके द्वारा 26 मई को धान की फसल बोई थी जिसे 5 जून को विपक्षी इसरार पुत्र सुल्तान अली निवासी नेवादा गब्भी, सुजीत पुत्र मुनीम निवासी यासीनपुर थाना बेहटा गोकुल ने जबरदस्ती फसल की जोत डाला घटना की जानकारी उसका भाई सुबोध ने दी तब 112 के आने पर विपक्षियों को मना किया लेकिन पुलिस के जाने के बाद विपक्षियों द्वारा खेत में फसल बोई गई और उसे जान से मारने की धमकी दी ।

बस-ट्रक की टक्कर में यात्री की मौत, 7 लोग घायल

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। कटरा बिल्हौर हाईवे पर लक्षणपुरवा गांव के पास सुबह 10:30 बजे प्राइवेट बस और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार एक यात्री की मौके पर मौत हो गईए जबकि 7 अन्य यात्री घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। एक यात्री बस में फंस गया, जिसे निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई और हाईवे पर जाम लग गया। चार एंबुलेंस को तुरंत मौके पर भेजा गया। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर में भर्ती कराया गया है। पुलिस बल मौके पर पहुंच गया है और स्थिति को नियंत्रित कर रहा है। हादसे के कारण लगे जाम से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस अभी मृतक और घायलों की पहचान करने में जुटी है।

काशी विश्वनाथ ट्रेन से कटकर आत्महत्या की

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के दरिया पर विक्कू रेलवे फाटक के पास काशी विश्वनाथ ट्रेन के आगे छलांग लगाकर युवक ने आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सुबह मर्चरी में परिजनों ने शव की शिनाख्त की। गुरुवार की रात लगभग 10:00 बजे काशी विश्वनाथ रेलवे स्टेशन से चली और कुछ दूरी पर स्थित दरियापुर विक्कू रेलवे फाटक के पास पहुंची वैसे ही एक 20 वर्षीय युवक ने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंचे रेलवे स्टेशन चौकी इंचार्ज अमित सिंह ने उसे सीएचसी भिजवाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात में शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेज कर मर्चरी में रखवा दिया। शुक्रवार की सुबह दस बजे प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार राय ने घटना की जानकारी दी। सुबह पिता अमर सिंह ने शव देखकर अपने बेटे अमन के रूप में पहचान की। बताया जाता है अमन के परिवार में सूबेदार की बेटी की माज मैरिज हॉल में शादी थी जिसमें पूरा परिवार गया हुआ था। पिता से झगड़ा हो जाने की वजह से अमन शादी में शामिल होने नहीं गया और घर में ही रुक गया। बाद में पता चला कि अमन ने ट्रेन से कटकर आत्महत्याकर ली।

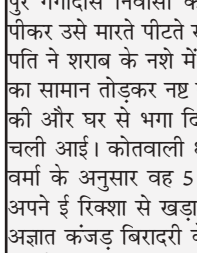

मृतक की फाइल फोटो

मारपीट की घटनाओं में आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के अलग अलग गांव में हुई मारपोट की घटनाओं में कोतवाली पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बाजार संभा निवासी राघव पुत्र देश दीपक पाण्डेय के अनुसार वह अल्लाहपुर में अपनी दुकान पर बैठता है।कुछ दिन पूर्व दिलेर गंज निवासी कपिल ने ऋषभ गुप्ता और तुषार ठाकुर के साथ उसे दुकान पर न बैठने की धमकी दी थी। 4 जून की शाम को विपक्षियों ने अपने अन्य अज्ञात साथियों के साथ डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। जिससे उसे काफी चोटें आई हैं। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऐगवा निवासी सुधीर पुत्र कैलाश के अनुसार वह विकलांग है।गांव के महेश पुत्र रमेश्वर ने किसी पुरानी बात को लेकर 3 मई की शाम को उसे गाली गलौज करते हुए डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दौलत पुर गंगादास निवासी कल्पना पत्नी अवधेश के अनुसार उसका पति शराब पीकर उसे मारते पीटते रहते हैं । उसके दो पुत्र हैं। 4 जून की शाम को उसके पति ने शराब के नशे में डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया और घर का सामान तोड़कर नष्ट कर दिया।उसने विरोध किया तो सास ने भी मारपीट की और घर से भगा दिया। वह अपने पिता के घर ग्राम फिरोजपुर कलां में चली आई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मनिका पुर निवासी बलराम पुत्र राकेश वर्मा के अनुसार वह 5 जून को पाली बाईपास के निकट खेड़ा तिराहा पर अपने ई रिक्शा से खड़ा होकर सवारियों का इंतजार कर रहा था। तभी तीन अज्ञात कंजड़ बिरादरी के आरोपियों ने उसे गाली गलौज कर लात घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया और जान मॉल की धमकी देते हुए चले गए। अलग अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में पीड़ितों की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामलों की जांच शुरू कर दी है।

नये डीएम की जन सुनवाई में आयुष्मान कार्ड का अर्धशतक पूरा

■ जन सुनवाई में बड़ी संख्या में हुआ लोगों की शिकायतों का निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में आमजन की समस्याओं को सुना। राजस्व से सम्बंधित शिकायतों के सम्बन्ध में उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाये। चकरोड पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलने पर राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाये। थाकबंदी के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों को लंबित न रखा जाये। जन सुनवाई में मौके पर ही पात्रता की जाँच कर पात्रों को वृद्धावस्था, दिव्यांग व विधवा पेंशन से लाभान्वित कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये गए। आज 6 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। नये जिलाधिकारी द्वारा पहली जन सुनवाई से लेकर अब तक जन सुनवाई में कुल 50 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। उन्होंने समस्याओं को सुनकर सम्बंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। हरियावा विकास खण्ड के एक गाँव की एक दिव्यांग महिला जब जन सुनवाई के दौरान जब जिलाधिकारी के सामने पहुँची खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि महिला को दिव्यांग शौचालय दिलवाया जाये। आवास के लिए पात्र होने पर पात्रता सूची में शामिल किया जाये। दिव्यांग जन कल्याण विभाग को उन्होंने निर्देश दिए कि महिला को दुकान निर्माण योजना के अंतर्गत आच्छादित कराया जाये। एक अन्य दिव्यांग राजू का उन्होंने तत्काल दिव्यांग ई रिक्शा हेतु आवेदन करवाने तथा उपलब्ध होते ही उनको देने के दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी को दिए। एक बुजुर्ग से पूछा कि क्या उनको पेंशन मिलती है और क्या उनका राशन कार्ड बना है। बुजुर्ग ने बताया कि उनकी पेंशन व राशन कार्ड नहीं है और वह अभी आधार कार्ड लेकर नहीं आये हैं। जिलाधिकारी ने तत्काल पूर्ति विभाग के लिपिक को कोटेदार से संपर्क कर आधार कार्ड की फोटो मंगवाई तथा बुजुर्ग की पेंशन व राशन कार्ड मौके पर ही बनवाया गया। जन सुनवाई के दौरान उप जिलाधिकारी गरिमा सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानो की आय को दोगुना करने के लिए सरकार हर तरह से प्रयासरतः माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने विधानसभा क्षेत्र के विकास खण्ड हरपालपुर के ग्राम ललुआमऊ में आयोजित कृषि मेला एवं संगोष्ठी में सम्मिलित हुए। विधायक ने उपस्थित क्षेत्रीय जनों एवं किसान भाईयों से संवाद कर सरकार की नीतियों एवं कृषि योजनाओ के बारे विस्तार से चर्चा की। विभागीय जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को विधायक रानू सिंह ने आवश्यक दवाएं बीज किट एवं उपकरणों का वितरण किया। इस अवसर पर विधायक ने कृषि विभाग के लगाए गए स्टालों पर जाकर जानकारी भी ली।

इस अवसर उप कृषि निदेशक डॉ सतीश पाण्डेय ब्लाक प्रमुख अनोखेलाल कश्यप मण्डल अध्यक्ष कमलेश कुमार पाल प्रधान हरिशंकर कुशवाहा विधायक प्रतिनिधि रजनीश त्रिपाठी दीपांशु सिंह राकेश मिश्रा सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रीय सम्मानित जन एवं किसान बन्धु उपस्थित रहे।

दहेज हत्या के वांछित पति और सास गिरफ्तार, जेल भेजा गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

दहेज हत्या के आरोपी पुलिस गिरफ्त में

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती में रविवार की शाम को विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में मृतका के पिता की तहरीर पर दर्ज रिपोर्ट में पति और सास को गिरफ्तार कर पुलिस में जेल भेज दिया। शेष अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। तीन जून को रामरुप राठौर पुत्र छविराम निवासी ग्राम हैवतपुर द्वारा थाना शाहाबाद पर तहरीर दी गयी कि रामवीर पुत्र राजेन्द्र और गुडिया पत्नी राजेन्द्र निवासीगण मोहल्ला नई बस्ती सहित पांच परिजनों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसकी पुत्री को प्रताडित किया गया जिससे उसकी मौत हो गयी।

इस संबंध में मृतका के पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति सहित पांच आरोपियों के विरुद्ध दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। उपनिरीक्षक राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल वीरेंद्र यादव और महिला आरक्षी शिवानी शर्मा द्वारा उपरोक्त अभियोग में नामजद आरोपी पति रामवीर और सास गुड़िया को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार राय ने शुक्रवार को शाम 5:00 बजे बताया शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। जिन्हें जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

न्यायालय के आदेश पर छेड़छाड़ का केस दर्ज

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला के घर में घुसकर मारपीट और छेड़छाड़ के मामले में न्यायालय के आदेश पर ग्यारह माह बाद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच.पड़ताल शुरू कर दी है। पीड़िता के अनुसार 14 जुलाई 24 की रात करीब ०7:30 बजे गांव के विपक्षी पवन पुत्र रामकृपाल शराब के नशे में उसके घर में घुस आया और गाली गलौज करने लगा। मना करने पर उसके पिता रामकृपालएभाई कल्लूएमाधौराम और मौसी के दो पुत्र लाठी डंडे लेकर उसके घर में घुस आए और उसको उसकी पुत्री तथा दूसरी गर्भवती पुत्री को लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया।विपक्षियों ने उसे जबरदस्ती जमीन पर गिरा दिया और ऊपर से निवस्त्र कर अश्लील हरकते की। पति बचाने आया तो विपक्षियों ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया।घटना की रात में वह लिखित तहरीर लेकर कोतवाली गई लेकिन विपक्षी के पिता थाने में चौकीदार होने के कारण उसकी तहरीर पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। विपक्षी 20 जुलाई 24 को दोबारा उसके घर में घुस आए और मारपीट कर कार्यवाही करने पर जान से मार डालने की धमकी देकर चले गए। पीड़िता ने एसपी सहित अन्य उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजे लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। तब उसने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर घटना के ग्यारह महीने बाद कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

टैंपो पलटने से घायल हुए व्यक्ति ने लगाया इलाज न करवाने का आरोप

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोरिया में 27 मई को तेज रफ्तार टैंपो पलटने में हुए घायल ने टैंपो मालिक पर इलाज न करवाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम मझिला के मजरा फर्म पुरवा निवासी सूरज पुत्र पुत्तूलाल के अनुसार वह 27 मई को हर्रई से टैंपो से शाहाबाद आ रहा था। टैंपो एक किशोर चला रहा था।अधिक सवारियां और तेज रफ्तार के कारण कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गौरिया के निकट चालक टैंपो पर नियंत्रण नहीं कर पाया और वह पलट गया। जिससे उसके पैर टूट गया। टैंपो मालिक हर्रई निवासी विमल पुत्र अमर सिंह ने उसको सारा इलाज करवाने का आश्वासन दिया था। उसका अब तक आपरेशन में एक लाख रुपया खर्च हो चुका है।अब विपक्षी टैंपो मालिक उसका इलाज करवाने से इंकार करते हुए धमका रहा है। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दामाद पर दहेज के लिए बंधक बनाने का आरोप

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अल्लाहपुर निवासी विवाहिता की मां ने अपने दामाद पर दहेज के लिए पुत्री के साथ बंधक बनाकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़िता राजकुमारी पत्नी राजाराम के अनुसार उसने अपनी पुत्री का विवाह कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिढ़ाता निवासी रामशंकर के पुत्र श्रवण के साथ किया था।अतिरिक्त दहेज में पचास हजार रुपए की मांग को लेकर 27 मई को दामाद ने उसकी पुत्री को डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। उसकी पुत्री ने फोन से सारी घटना से उसको अवगत करवाया। दामाद दहेज की मांग को लेकर उसकी घायल पुत्री को घर में बंधक बनाए हुए है।इलाज के लिए भी बाहर नहीं निकलने दे रहा है। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै नमीश जबरानी पुत्र श्री सेवक राम जबरानी, पता- म0नं0-354 न्यू सिविल लाईन्स थाना कोतवाली शहर, हरदोई का निवासी हूँ। मैने मो0 अशराफ टोला अन्दर नगर पालिका में गाटा सं0-3054 मि.आ. भूमि में से 2685.60 वर्ग मी0 की भूमि पदमारानी पुत्री स्व0 बृजराज स्वरूप और भूमि 3261.45 वर्ग फीट भूमि पूर्णिमा सिंह पुत्री स्व0 बृजराज स्वरूप निवासिनी मो0 अशराफ टोला हरदोई से दिनाँक- 07.11.2012 को क्रय की थी। जिसे अपनी जरूरत पर बिक्री कर दिया था। मैने अपनी बैनामित क्रय की हुई भूमि में से 891.832 वर्ग फीट को ऊषा नानवानी पत्नी पवन कुमार नानवानी और 742.68 वर्ग फीट को मोहित नानवानी पुत्र पवन कुमार नानवानी, 806.3 वर्ग फीट ऊषा नानवानी पत्नी पवन कुमार नानवानी और 535.09 वर्ग फीट भूमि को मोहित नानवानी पुत्र पवन कुमार नानवानी सर्व निवासीगण- न्यू सिविल लाईन्स हरदोई को 08.12.2021 और 06.09.2022 को विक्रय कर दी थी। मेरी उक्त भूमि से परोक्ष व अपरोक्ष रूप से कोई सरोकार और वास्ता नहीं है। उक्त भूमि का वर्तमान में मालिकाना हक व स्वामित्व हक व स्वामित्व ऊषा नानवानी और मोहित नानवानी का है।

जश्न और हादसा

तुरत-फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चौलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मुत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। कोहली, पिछले टी-20 विश्व कप और कुछ महीने पहले वनडे चौंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वे प्रारंभ से ही आईपीएल का खिताब जीतने के लिये दृढ़ संकल्पित दिखे। इसका समापन भी उन्होंने खास अंदाज में किया। क्रिकेट प्रेमियों ने बखूबी देखा कि उनके खेल में वह चमक बरकरार है जो डेढ़ दशक पहले क्रिकेट मैदान में उतरने पर खेल प्रेमियों को चकित किया करती थी। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। हालांकि, वे क्रिकेट के टेस्ट क्रिकेट छोड़कर अन्य प्रारूपों में अपना शानदार खेल दिखाते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमएस धोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। यह हकीकत है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम धोनी के अनुभव का लाभ उठाने से चूक गई। वैसे इस बार के आईपीएल टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रदर्शन के जरिये किसी भी फ्रेंचाइजी के लिये जाने-माने कप्तान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत ही की है। बीते साल कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने के बाद उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व संभाला। उनके नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले एक दशक के बाद प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये फाइनल में जगह मजबूत की। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। हालांकि, बाकी मैचों में उन्होंने टीम को प्रभावशाली नेतृत्व जरूर दिया। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा जब तक कि वह साहसी पंजाब की टीम द्वारा बाहर नहीं हो गई। निस्संदेह, इस आईपीएल टूर्नामेंट में युवा ब्रिगेड ने पूरी ताकत झोंककर उम्मीदों को नया मुकाम दिलाया। अब चाहे वह अभिषेक शर्मा हों, प्रियांश आर्य, आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन, शशांक सिंह या ऑल-ऑफ-14 वैभव सूर्यवंशी हों। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन पर भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष की छाया भी पड़ी। लेकिन थोड़े व्यवधान के बावजूद खेल जारी रहा। सीमा पर तनाव के बीच भारत व पाकिस्तान की क्रिकेट लीग चलती रही है, लेकिन लोकप्रियता की बाजी भारत ने मारी। बंगलुरु हादसे की दुखद घटना के बावजूद आईपीएल अपने मुकाम तक पहुंचने में किसी हद तक कामयाब रहा है। निश्चय ही आईपीएल एक ऐसा मंच बन गया है कि जिसमें आम घरों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी तथा परिवार की आर्थिकी सुधारने का मौका मिलता है, वहीं चयनकर्ताओं को राष्ट्रीय टीम हेतु प्रतिभाएं तलाशने का एक उम्दा अवसर भी मिल जाता है।

आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततरू विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए।

खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर भारत

7 जून वैश्विक खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस ''शाश्वत''

सरसरी तौर पर देखा जाये तो यह निश्चित है कि खाद्यान्न उत्पादन के मामले में हमारा देश एक सीमा तक आत्मनिर्भर हो चुका है। आज स्थिति यह है कि गेहूँ, चीनी हमारे यहाँ गोदामों में ठसाठस भरे पड़े हैं, उनके सुरक्षित रखने की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में गन्ना का रिकार्ड उत्पादन होने के कारण कृषकों को औने पौने दाम पर अपनी उपज बेचने पर मजबूर होना पड़ा था। यही कारण था कि चालू वर्ष में अधिकतर कृषकों ने गन्ने की उपज के बजाय दूसरे खाद्यान्नों की फसले ली। रिकार्ड बना उत्पादन के कारण हमारे यहाँ अभी भरपूर मात्रा में चीनी का स्टाक है (परंतु फिर भी न जाने किस नीति के तहत चीनी का बाहरी देशों जैसे बांग्लादेश आदि से आयात किया गया।) पर उसका उचित समय पर उपयोग नहीं होने से कृषक जगत में गलत संदेश जाता है। इसकी व्यवस्था को खासा ध्यान देना चाहिये। वर्तमान में पूरी दुनिया ये जान चुकी है कि भारत अब खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर एवं काफी तरक्की कर चुका है। पंजाब हरियाणा के कृषक तो अब बहुत आगे निकल चुके हैं। हमारे, गोदाम अब लबालब भरे पड़े रहते हैं।

एक समय था जब भारत अपनी खाद्यान्न आपूर्ति के लिये दूसरे देशों की दया पर निर्भर था। हमारे पास न उस समय कृषि के साधन थे, और न ही उन्नत तकनीक थी। फलतः आज का वही कृषक पहले अपनी कृषि से वैसा उपज नहीं प्राप्त कर पाता था, जैसा कि आज वह प्राप्त कर रहा है। आज कई मायनों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्म निर्भर हो चुका है। इस संबंध में समाजशास्त्रियों का भिन्न-भिन्न मत है। कुछ कहते हैं कि ये ठीक है कि आज हम खाद्यान्न उपज के मामले में पूर्व से बहुत बेहतर हैं, पर आज हमारी जनसंख्या भी तो बहुत बढ़ गई है, जिससे हमारी खाद्यान्न उत्पादन की बढ़ी हुई क्षमता तो जैसी की तैसी ही रह गई अर्थात हम जहाँ पहले वे आज भी वहीं है कोई परिवर्तन नहीं है। जबकि दूसरे मत के समाजशास्त्री कहते हैं कि भारत में जनसंख्या की वृद्धि हुई है यह सही बात है, पर इस तथ्य को भी हमें नहीं भूलना चाहिये कि यहाँ अब श्रम करने वाले हाथ भी तो उतने ही बढ़ गये हैं, जो खाद्यान्न उत्पादन के लिये आवश्यक है। अर्थात जहाँ कम क्षेत्रफल में कम हाथों (श्रमजीवी किसान) द्वारा जो कार्य किया जा रहा था। बहुत सीमित एरिया सीमित मात्रा में था, वह अब असीमित होकर हमारी क्षमता को बेहतर और वृहत्तर बना रहा है। वैसे दूसरा मत वास्तविकता के नजदीक जान पड़ता है, ऐसा मुझे लगता है। एक दिन मैं एक पुरानी पत्रिका जो मई 1973 को प्रकाशित हुई थी, उसके पृष्ठ को पढ़ रहा था तो उसमें एक जगह सरकारी विज्ञापन दिखाई दिया जिसमें लिखा था,....'' कम अनाज खाइये ''खाद्यान्नों के मूल्य कम करना आपके हाथ में है, गेहूँ चावल कम खाईये, सप्ताह में कम से कम एक बार बिना अनाज का ''भोजन लीजिये।'' उक्त विज्ञापन से साफ जाहिर होता है कि आज से कुछ वर्षों पूर्व हम खाद्यान्न के मामले में बहुत पीछे थे, हमारे यहाँ खाद्यान्नों जैसे गेंहू, चावल की बहुत कमी थी ,तभी तो सरकार ने मजबूर होकर ऐसा विज्ञापन दिया रहा होगा। पर क्या आपने आजकल गत वर्षों में ऐसा कुछ विज्ञापन देखा है...? इसका जवाब होगा बिलकुल नहीं। इसका मतलब यही हुआ न कि अब हमारे यहाँ वैसी स्थिति नहीं है जैसी पहले हुआ करती थी। अब तो यह स्थिति है कि अब हम चायपत्ती उत्पादन में विश्व में प्रथम चावल में द्वितीय, गेहूँ में, तीसरी एवं चीनी उत्पादन में दूसरे, कपास में भी दूसरा स्थान पर है। देश में चावल का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य प. बंगाल एवं दूसरा आंध्र प्रदेश है, किंतु चावल की प्रति हेक्टेयर उपज पंजाब में सर्वाधिक है, मध्यप्रदेश आज देश में, सोयाबीन का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा राज्य है। देश में मध्यप्रदेश ज्वार में प्रथम, तुअर में तथा अन्य दालों में द्वितीय, गेहूँ एवं चने में तृतीय और धान (चावल) में तीसरा स्थान रखता है। किंतु प्रतिव्यक्ति औसत उत्पादन में पंजाब और हरियाणा के पश्चात तृतीय है। सरसरी तौर पर देखा जाये तो यह निश्चित है कि खाद्यान्न उत्पादन के मामले में हमारा देश एक सीमा तक आत्मनिर्भर हो चुका है। आज स्थिति यह है कि गेहूँ, चीनी हमारे यहाँ गोदामों में ठसाठस भरे पड़े हैं, उनके सुरक्षित रखने की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में गन्ना का रिकार्ड उत्पादन होने के कारण कृषकों को औने पौने दाम पर अपनी उपज बेचने पर मजबूर होना पड़ा था। यही कारण था कि चालू वर्ष में अधिकतर कृषकों ने गन्ने की उपज के बजाय दूसरे खाद्यान्नों की फसले ली। रिकार्ड बना उत्पादन के कारण हमारे यहाँ अभी भरपूर मात्रा में चीनी का स्टाक है (परंतु फिर भी न जाने किस नीति के तहत चीनी का बाहरी देशों जैसे बांग्लादेश आदि से आयात किया गया।) पर उसका उचित समय पर उपयोग नहीं होने से कृषक जगत में गलत संदेश जाता है। इसकी व्यवस्था को खासा ध्यान देना चाहिये। वर्तमान में पूरी दुनिया ये जान चुकी है कि भारत अब खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर एवं काफी तरक्की कर चुका है। पंजाब हरियाणा के कृषक तो अब बहुत आगे निकल चुके हैं। हमारे, गोदाम अब लबालब भरे पड़े रहते हैं। परंतु हमें यह देखकर निश्चिंत होने की कतई जरूरत नहीं है, हमें नित नए तकनीको को इस्तेमाल करने की जरूरत है जिससे के ऊपज और फसलें बढ़े, जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती रहें । साथ ही उत्पादकता भी बड़े यह तो तय है, कि हर आने वाला वर्ष अपने साथ बढ़ी हुई जनसंख्या को लेकर आएगा। तो इसके लिए हमें निश्चित तौर पर यह तैयारी करनी होगी कि हर पेट को अन्न मिले। और खाद्यान्न की किसी भी प्रकार की कमी ना होने पाएं। वह इसके साथ हमें इसके लिए भी चौकन्ना रहना है कि आज के हमारे भारत देश की लगभग एक सौ अड़तीस करोड़ की जनता के लिए हर पेट को भोजन मिल सके और सब की पूर्ति हो सके। इसके लिए इतना अनाज जिसे शीतकेंद्रों, अनाज गोदामों व अनाज केंद्रों में रखने की वैसी ही सुदृढ़ व्यवस्था का होना अत्यंत ही आवश्यक है। इसके लिए भारत के हर राज्य में हर जगह हर स्थान में एक निश्चित योजना के अनुरूप बड़े-बड़े खाद्यान्न गोदामों की श्रृंखला विभिन्न राज्य सरकारें एवं केंद्र सरकार सुंदर योजना बनाकर तैयार किया जाना आवश्यक है। तभी तो हम करोड़ों मीट्रिक टन अनाजों को हम सुरक्षित और उपयोगी बनाकर रख सकेंगे। यह उतना ही आवश्यक तथ्य है, जितना कि अनाज का उत्पादन और उसकी सुरक्षाका ख्याल रखना उतना ही जरूरी है जितना कि उसका उत्पादन करना।

वंदे गंगा जल संरक्षणः दूरगामी सोच का परिणाम है जन अभियान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजनलाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है।

जल है तो कल है की चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देश के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश हैं जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा अंतर नहीं है। ऐसे में इसे भली-भांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रति व्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी, वह 2024 आते-आते 1401 घनमीटर रह गई है। यदि विशेषज्ञों की मानें तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर रह जाने की संभावना है। यही कारण है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि पानी का उपयोग कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनः चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता के मामले में आज भारत 182वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे-बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजनलाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कंक्रीट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगी है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है। एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ-साथ ढलान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जलस्तर बढ़ाने के साथ पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे। आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरीज व सरकारी, गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं। ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो। यही कारण है कि राजस्थान की भजनलाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है। लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्त्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्त्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं। शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े पर पैसा कमाने का लालच हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे जागरुकता आएगी और जनभागीदारी भी बढ़ेगी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुनः उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुनः चक्रीकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हालांकि पानी के पुनः चक्रीकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा। भूजल के संग्रहण और भूजल के दोहन के बीच समन्वय बनाना होगा नहीं तो आने वाला समय बहुत अधिक चिंतनीय और गंभीर होगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। सही मायने में कहा जाए तो वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान सरकार की दूरगामी सोच का जन हितैषी कार्यक्रम माना जाना चाहिए क्योंकि सरकार की समझ और गंभीरता को इससे समझा जा सकता है कि कार्यक्रम को आमजन से जोड़ने के लिए ही जनअभियान नाम दिया गया है।

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरें

ललित गर्ग

4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं।

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई।

विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं। 4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो ॠदुष्प्रचारॠ ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो ॠकीचड़ स्नानॠ कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं। बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि ॣहमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं।' उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है। वहां कनिमोझी एकता और विविधता को राष्ट्रीय भाषा बताते हुए अपना पक्ष रख रही हैं। डीएमके सांसद का ये अंदाज सुर्खियों का विषय बना है और लोग जमकर इसकी तारीफ कर रहे हैं। इसी तरह शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि श्रीकृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं। अब यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी।

सौर ऊर्ज़ा करंट की जगह तारों में चालू कर दिया विद्युत करंट, सगे भाइयों की मौत

- सुबह तड़के मूंगफली के खेत में पानी लगाने गए थे सगे भाई
- खेत की मेड़ों पर लगा रखे थे करंट वाले तार
- घर पर लगा रखी थी सौर ऊर्ज़ा मशीन, करंट फैला रखा था बिजली का

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। कांट थाना छेत्र के एक गांव में खेत में लगी मूंगफली की फसल को छुट्टा पशुओं से बचाव हेतु लगाए गए करंट प्रवाहित तार सगे भाइयों को मौत के मुंह में खींच ले गए।सगे भाई मूंगफली के खेत में फसल के बचाव हेतु लगाए गए तार से खुद ही अपनी जान गवां बैठे।पानी लगाने गए सगे भाइयों की करंट लगने से मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि मृतक सगे भाइयों ने अपने ही खेत में पशुओं से बचाव हेतु तार लगा रखे थे।सुबह वह दोनों मूंगफली की फसल में पानी लगाने गए थे।उसी दौरान खेत की मेड पर लगे तार से दोनों भाइयों को करंट लग गया।परिजन बेहोशी की हालत में दोनों को जिला अस्पताल ले गए जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।।जैसे ही गांव और परिजनों को सूचना मिली तो पूरे गांव में मातम जैसा माहौल छा गया। जानकारी पाकर परिजनों समेत लगा रखे थे तार,तार में आ गया विद्युत करंट।कांट थाना छेत्र के ग्राम बमरौली निवासी धर्मवीर सिंह ३५ तथा उसका सगा भाई सत्यवीर ३० पुत्र विश्वनाथ निवासी ग्राम बमरौली सुबह छः बजे खेत पर पानी लगाने लगे थे।खेत के चारों तरफ पशुओं से फसल के बचाव हेतु तार लगा रखे थे।दोनों भाई बाग की तरफ पानी पीने को खेत से बाहर निकले तभी अचानक दोनों भाई तार से छू गए।बेहोशी की हालत में वाहन में लादकर जिला अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों दोनों भाइयों को मृत घोषित कर दिया।मृतक धर्मवीर के दो बच्चे हैं जिनमें एक बेटा और एक बेटी है।वहीं मृतक सत्यवीर के तीन बच्चों में एक बेटा और दो बेटियां है।सगे भाइयों की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया।

लगाने गए पानी गवां बैठे अपनी जान

शाहजहांपुर। जिस खेत में लगे तारों से सगे भाइयों की मौत हुई उस खेत की मेड़ों पर पशुओं से बचाव हेतु तार लगा रखे थे।अपने ही खेत में लगे तारों में सौर ऊर्ज़ा मशीन से करंट प्रवाहित करने की जगह विद्युत करंट प्रवाहित कर दिया।सुबह तड़के दोनों भाई उसी खेत में लगी मूंगफली की फसल में पानी लगाने गए।खेत में पानी भरने के दौरान विद्युत करंट खेत में भी फैल गया।दोनों भाई जान बचाने हेतु भागे लेकिन तारो में फैला करंट प्रवाहित ही होता रहा इस वजह से वह अपने आप को नहीं बचा सके।जब तक परिजन खेत पर गए तबतक काफी देर हो चुकी थी।हालांकि परिजन जीवन की आस में दोनों भाइयों को शाहजहांपुर जिला अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

खेती किसानी में कम लगत और अच्छी उपज की जानकारी की साझा

शाहजहांपुर। जलालाबाद विधान सभा क्षेत्र के गांव फरीदाबाद में कृषि संगोष्ठी का आयोजन किया गया,जिसमे कृषि विभाग और पशु विभाग के अधिकारियों ने किसानों को न्यूनतम लागत से अधिक और अच्छी उपज की जानकारियां दीं। तहसील जलालाबाद के ग्राम फरीदाबाद में आज विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसान संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।,संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुख डा0 एन0 पी0 गुप्ता वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र शाहजहांपुर और डॉ0 पी0 के कपिल वैज्ञानिक निदेशक किसान गन्ना शोध संस्थान, और एडीओ अजय वीर , वी0 के विकल पशु चिकित्सकधिकारी ने खेती की नई नई तकनीको के बारे में किसानों को जानकारी दी। अधिकारियों ने किसानों को न्यूनतम लागत लगाकर अधिक पैदावार की विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद अग्निहोत्री चेयरमैन भूमि विकास बैंक भाजपा नेता अजय चंदेल, दीपक सिंह आकाश मिश्रा प्रधान रामनाथ सहित जनप्रतिनिधि व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

शीरे से भरा टैंकर पलटा बड़ा हादसा होने से बचा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में उस समय बड़ा हादसा होने से बच गया जब शीरे से भरा टैंकर अचानक रोड पर पलट गया। अचानक सामने गाय आने से गाय को बचाते हुए शीरे से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर रोड पर पलट गया गनीमत रही उस समय सड़क से गुजर रहे वाहन टैंकर से दूरी पर थे अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी । टैंकर पलटने से जहां शीरा पूरे रोड पर बहने लगा वही टैंकर ड्राइवर और कंडक्टर घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिये जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया । दरअसल घटना थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के हरदोई रोड की है। जहां मेरठ के रहने वाले ट्रक ड्राइवर मिक्की ने बताया वह शामली से टैंकर में शीरा भर कर हरदोई के हरियावा चीनी मिल जा रहा था तभी अचानक कनेंग मोड़ के पास अचानक सामने गाय आ गई गाय को बचाते हुए टैंकर रोड पर पलट गया । घटना में कन्डेक्टर को जहां मालूमी चोट आई है वहीं ट्रक ड्राइवर घायल हो गया सूचना के बाद मौके पर पहुंची 108एम्बुलेंस ने घायल ड्राइवर को उपचार के लिए भर्ती कराया जहां इलाज के उसकी छुट्टी कर दी गई। सड़क किनारे शीरे का टैंकर पलटने से शीरा गड्ढों में भर गया ग्रामीण लोग शीरा डिब्बा और बाल्टियों में भर भर कर ले जा रहे है।

रोड किनारे पंचर खड़ी ट्रैक्टर ट्राली को ट्रक ने मारी टक्कर, 2 मजदूरों की मौत, 4 घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। लखनऊ-सीतापुर हाइवे पर ट्रक ने रोड किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान संभल के रहने वाले शकील और जाकिर के रूप में हुई है। पुलिस ने घायलों को राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया ।हालत गंभीर होने पर सभी को बरेली रेफर कर दिया गया। ट्रैक्टर ट्राली सवार सभी लोग लखनऊ से संभल जा रहे थे। संभल जिले के थाना नखासा क्षेत्र के मोहल्ला कबीररईसा के रहने वाले शकील, जाकिर, शोएब, अशरफ, नौशाद और राशिद लखनऊ में एक ईंट भट्टे पर काम करने गए थे। सभी लोग शुक्रवार सुबह लखनऊ से वापस अपने घर लौट रहे थे। लखनऊ-सीतापुर हाइवे पर स्थित रोजा थाना क्षेत्र के अटसलिया के पास ट्रैक्टर ट्राली पंक्चर हो गई। ट्राली को किनारे लगाकर पंक्चर ठीक करने का प्रयास किया जा रहा था। सभी लोग कुछ ट्राली के अंदर रखी चारपाई पर लेटे थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर ट्राली पलट गई और उसमे बैठे छह लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को राजकीय मेडिकल कालेज भेजा। रास्ते में ले जाते समय शकील और जाकिर ने दम तोड़ दिया। चार घायलों को हालत नाजुक बनी हुई है। जिनको बरेली रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने संभल में रहने वाले परिजनों को सूचना दे दी है।

पुलिस की मौजूदगी में राजस्व विभाग ने कराई खेत की पैमाईश

शाहजहांपुर। कृषि भूमि पर अवैध रूप से जबरन कब्जा कर रखे दबंगों के कब्जे से पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंच कर नापजोख कराई गई और दबंगों द्वारा जबरन कब्जा की गई भूमि को पीड़ित को कब्जा दाखिल कराया गया।हालांकि इस दौरान एक जनप्रतिनिधि के प्रतिनिधि ने प्रशासनिक टीम को फोनकर हड़काते हुए सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया लेकिन पुलिस प्रशासन ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए पीड़ित का कब्जा दाखिल करा दिया। मामला कांट थाना छेत्र के ग्राम लाडपुर यारपुर के सरदार झाला का है। यहां के निवासी हरविंदर सिंह पुत्र जागीर सिंह ने उपजिलाधिकारी (न्यायिक) न्यायालय में बाद दायर किया था कि उसकी आराजी काश्त गाटा संख्या 181 रकबा 0.866 हे. जोकि ग्राम लाडपुर सारएं परगना कांट तहसील सदर के मालिक काबिज भूमिधर काश्तकार हैं।उसके द्वारा दायर किए गए बाद में बताया गया कि पड़ोसी खेत स्वामी ने वादी की मेड़ों को काटकर उसका खेत जबरन अपने खेत में मिला लिया है।

जिंदा युवक की हत्या में ढाई साल से जेल काट रहा था युवक कोर्ट ने किया बरी

- बड़ा सवाल आखिर किसकी थी लाश, जिसका किया गया था अंतिम संस्कार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में चौंकाने वाला बड़ा मामला सामने आया है । युवक को ढाई साल जेल कटनी पड़ी, थी ढाई साल से जिस व्यक्ति की हत्या के आरोप में नरेंद्र दुबे शाहजहांपुर की जिला कारागार में बंद है वह व्यक्ति गुजरात में जिंदा निकला । कोर्ट ने नरेंद्र को ब इज्जत वरी कर दिया है। जानकारी के अनुसार घटना 2022 की है ट्रेन में दो युवकों के बीच विवाद हो गया । ट्रेन में सवार यात्रियों ने ट्रेन में यात्रा कर रहे नरेंद्र दुबे पर एक युवक को ट्रेन से नीचे फेंकने का आरोप लगाया । पुलिस ने यात्रियों की गवाही के आधार पर नरेंद्र

दुबे को गिरफ्तार कर लिया । इसी घटनाक्रम के बाद शाहजहांपुर में एक युवक का शव मिला , जिसकी शिनाख्त बिहार के मुजफ्फरनगर निवासी याकूब ने अपने बेटे ऐलाव के रूप में करते हुए शाहजहांपुर में ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया । अब ऐलाव को गुजरात से वापस अपने घर आया देखकर सब लोगों के होश उड़ गए और उन्होंने इसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी पुलिस बिहार से ऐलाव को लेकर शाहजहांपुर आई । कोर्ट के सामने ऐलाव ने बताया कि वह तो कभी ट्रेन में गया ही नहीं और ना ही उसका किसी से विवाद हुआ। जिस कारण न्यायाधीश पंकज कुमार ने जेल में बंद नरेंद्र दुबे को दोष मुक्त करार देते हुए कहा कि जो व्यक्ति ट्रेन से गिरा है और जिसका शव बरामद हुआ है वह ऐलाव है ही नहीं। अब अगर कोई आकर मुकदमा करता है कि नरेंद्र दुबे ने उस व्यक्ति को धक्का दिया है या किसी और की मृत्यु हुई है ,तब जाकर नरेंद्र दुबे के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। कही न कही पूरे मामले में जांच करने वाला विवेचक भी कसूर बार है । अब बड़ा सवाल है आखिर वो लाश किसकी थी जिसकी पहचान ऐलाव के पिता ने की थी और उसका अंतिम संस्कार किया था। फिलहाल इस खुलासे के बाद पुलिसिया कार्यवाही पर कई सवालिया निशान खड़े हो गए है ।

बकरीद से पहले नगर में विशेष सफाई अभियान, पालिका प्रशासन दिखा मुस्तैद

शुक्लागंज(उन्नाव)। बकरीद पर्व को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आया। नगर पालिका अध्यक्ष कौमुदी पांडे और अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बुधवार को नगर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिससे त्योहार के मौके पर आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अभियान के तहत जामा मस्जिद के आसपास के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सफाई कराई गई। राजधानी मार्ग पर दोनों ओर सफाईकर्मियों की तैनाती कर मार्ग को पूरी तरह साफ किया गया, ताकि जुमे की नमाज और बकरीद की सामूहिक नमाज के दौरान नमाजियों को आवागमन में कोई परेशानी न हो। सिर्फ मुख्य मार्ग ही नहीं, बल्कि मदनी नगर, करीमुल्ला कॉलोनी, गोताखोर, चंपापुरवा कर्बला, हुसैन नगर, मनोहर नगर जैसे घनी आबादी वाले मोहल्लों में भी सघन सफाई अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने खुद मौके पर पहुंचकर स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया।

निर्जला एकादशी पर मोचियों और जरूरतमंदों को सम्मानित कर बढ़ाई सामाजिक समरसता

- विमल द्विवेदी ने वितरित किए अंगवस्त्र, घड़े और खाद्य सामग्री, वर्षों से चला रहे हैं सेवा अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर नर सेवा नारायण सेवा'' संगठन के संस्थापक एवं प्रखर हिन्दूवादी भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने एक बार फिर सामाजिक समरसता की मिसाल पेश की। वर्षों से निरंतर जारी अपने सेवा अभियान के अंतर्गत इस बार भी उन्होंने शहर के मोचियों और जरूरतमंदों को मिट्टी के घड़े, खाद्य सामग्री, अंगवस्त्र और आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। सनातन परंपरा और सेवा भाव को समर्पित इस अभियान का उद्देश्य न केवल सेवा करना है, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को गर्व और गरिमा का अनुभव कराना भी है। विमल द्विवेदी ने कहा, सनातन धर्म में दान का अत्यंत महत्व है। हिंदू समाज की हर जाति हिंदुत्व का आधार स्तंभ है। जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मानित महसूस करता है, तभी समरसता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने यह भी बताया कि निर्जला एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है और यह सभी एकादशियों का पुण्य प्रदान करने वाली तिथि मानी जाती है। ऐसे पावन अवसर पर मोचियों और जरूरतमंदों को अंगवस्त्र भेंट करना, उनके श्रम को सम्मान देना ही सच्चा धर्म है। इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, अनीता द्विवेदी, केतन अवस्थी, अभिषेक तिवारी, राकेश राजपूत, शिवम शुक्ल, विकास सिंह सेंगर, राघवेंद्र पांडेय, मनीष अवस्थी, धर्मेंद्र शुक्ल, परिमल मिश्रा समेत कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय जन उपस्थित रहे।

चोरी की दो वारदातों का असोहा पुलिस ने किया खुलासा, तीन शातिर चोर दबोचे

उन्नाव (असोहा)। थाना असोहा पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए क्षेत्र में हुई चोरी की दो घटनाओं का खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 5 लाख रुपये के जेवरात और 45,700 नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में परौरा निवासी प्रमोद रैदास, नेवाजखेड़ा निवासी राजदीप यादव और रानीपुर निवासी दिनेश पासी उर्फ टिन्ना शामिल हैं। तीनों अभियुक्तों को पुलिस ने गोसाईखेड़ा स्थित राजकीय महाविद्यालय के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से सोने-चांदी के जेवरात जिनमें पायल, बाली, झाला, मांगटीका, करधनी, ओम लॉकेट, नथ, चुड़ियां और अन्य आभूषण बरामद किए गए। साथ ही अलग-अलग मात्रा में नकदी भी बरामद हुई – प्रमोद के पास से ?14,500, राजदीप से 15,100 और दिनेश से 16,100 नकद मिला। तीनों आरोपी पुराने अपराधी हैं और इनके खिलाफ चोरी, लूट, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और पाक्सो एक्ट जैसी गंभीर धाराओं में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं।

यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष के साथ पुलिस चेकिंग के दौरान अभद्रता करने का आरोप

- यूथ के जिलाध्यक्ष समेत तमाम कांग्रेसी धरने पर बैठे
- चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर में यूथ कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष के साथ चेकिंग के दौरान पुलिस ने अभद्रता कर दी। सूचना मिलते ही यूथ के जिलाध्यक्ष समेत तमाम कांग्रेसी मौके पर पहुंच गए। उसके बाद भी राजघाट पुलिस चौकी इंचार्ज पदाधिकारियों से अभद्रता करते रहे। गुस्साए कांग्रेसियों ने रोड पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उसके बाद मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने गुस्साए पदाधिकारियों को मनाया। उसके बाद हंगामा शांत हुआ।

चौक कोतवाली क्षेत्र के राजघाट पुलिस चौकी के पास चौकी इंचार्ज चेकिंग कर रहे थे। तभी वहां से कांग्रेस यूथ के जिला उपाध्यक्ष शोभित बाइक से निकले। तभी पुलिस ने उनको रोककर चालान कर दिया। इसी बीच उपाध्यक्ष की सूचना पर यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजी अवस्थी भी पहुंच गए। उन्होने चालान करने का कारण पूछा तो चौकी इंचार्ज बौखला गए। विवाद बढने पर कांग्रेस के दर्जनों पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रोड पर बैठकर जाम लगा दिया। करीब डेढ़ घंटे तक हंगामा चलता रहा। कांग्रेस के यूथ जिलाध्यक्ष का आरोप है कि उन्होंने थाना प्रभारी से संपर्क किया, जब उन्होंने दरोगा की बात कराना चाहता तो उन्होंने कॉल काट दी। बावजूद इसके दरोगा रवैया नही बदला। उनका आरोप है कि गाली-गलौज करने के साथ चौकी इंचार्ज ने उनके साथ अभद्रता की है। जबकि उनको अपने पद के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि जब हम लोगों से अभद्रता की जा रही है तो आम लोगों के साथ किस तरह का बर्ताव होता होगा।

संक्षिप्त समाचार

बकरीद को लेकर थाने पर हुई पीस कमेटी की बैठक

शाहजहांपुर। जनपद के अंतर्गत कांट कोतवाली में बकरीद को लेकर पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें एसडीएम सदर संजय कुमार पाण्डेय सीओ सदर प्रियांक जैन और कांट प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश सिंह ने मुस्लिम समुदाय से अपील की कि त्यौहार को आपसी सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं, कुर्बानी के अवशेष खुले में बिल्कुल भी ना फेंके।कुर्बानी के समय ऐसे किसी स्थान पर कुर्बानी ना दें जिससे आम जनमानस को परेशानी उठाने पड़े।सीओ सदर ने बैठक में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहार कोई भी हो उसको सारे गिले शिकबे मिटाकर मानना चाहिए कि किसी के दिल में किसी के प्रति आक्रोश ना पनपे।कांट थाना छेत्र के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश सिंह ने नगर वासियों से अपील की कि बकरीद का मतलब ये नहीं कि किसी भी खुले स्थान पर कुर्बानी दे दी जाए।इस त्योहार में कुर्बानी देना एक परम्परा है जिसे सभी लोग ऐसे मनाएं जिससे किसी को तकलीफ ना हो।कुर्बानी खुले में बिल्कुल न करें। कुर्बानी के अवशेष खुले में बिल्कुल न फेंके।किसी तरह की अफवाह ना फैलाएं।कोई बात सामने आए तो पुलिस को सूचना दे।इस अवसर शोएब खां,,शहजाद खां समेत नगर कांट और देहात छेत्र से आए तमाम लोग मौजूद रहे।

09 जून को सभी तहसीलों में होगा सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

उन्नाव। जनपद के सभी तहसीलों में 09 जून को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करना है। जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील पुरवा में आयोजित किया जाएगा, जहां जिलाधिकारी स्वयं जनता की समस्याएं सुनेंगे और समाधान के निर्देश देंगे। उनके साथ सभी प्रमुख जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे, ताकि संबंधित विभागों से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण शीघ्र हो सके। वहीं, तहसील सदर में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील सफीपुर में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), तहसील बांगरमऊ में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) और तहसील हसनगंज व बीघापुर में उप जिलाधिकारीगण जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। जिला सूचना विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को भूमि, राजस्व, पेंशन, आवास, विद्युत, विकास, पुलिस या अन्य विभागों से संबंधित कोई समस्या है, तो वे संबंधित तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर पहुंचकर प्रार्थना पत्र देकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सड़क किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

शुक्लागंज(उन्नाव)। गुरुवार सुबह शहर में उस समय सनसनी फैल गई जब गंगाघाट क्षेत्र में सड़क किनारे एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। करीब 40 वर्षीय युवक ने सफ़ेद लोअर और स्लेटी रंग की शर्ट पहन रखी थी। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का भरसक प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। कोतवाली प्रभारी पी.के. मिश्रा ने बताया कि मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी संभावित प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस सोशल मीडिया की मदद से भी जानकारी जुटा रही है ताकि शव की शिनाख्त हो सके। फिलहाल शव को 72 घंटे के लिए उन्नाव मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बकरीद से पहले पुलिस ने बढ़ाई चौकसी

शुक्लागंज(उन्नाव)। बकरीद पर्व और जुमे की नमाज को ध्यान में रखते हुए गंगाघाट पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई। कोतवाली प्रभारी के निर्देश पर, शुक्रवार को नगर के राजधानी मार्ग स्थित जामा मस्जिद, मनोहर नगर, अली नगर, रहमत नगर, कर्बला, हुसैन नगर, गोताखोर और मदनी नगर समेत अन्य क्षेत्रों की प्रमुख मस्जिदों के बाहर पुलिस बल की तैनाती की गई।

गांधी नगर तिराहे और रामलीला मैदान का होगा कायाकल्प

- डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण, यातायात सुधार और सुंदरीकरण पर ज़ोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिले के प्रमुख गांधी नगर तिराहे और रामलीला मैदान को सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाने की दिशा में प्रशासन ने कदम तेज कर दिए हैं। बुधवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, एसडीएम क्षितिज द्विवेदी और नगर पालिका व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने दोनों स्थलों का निरीक्षण कर कार्ययोजना की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांधी नगर तिराहे पर फैले अव्यवस्थित फुटपाथों को सुधारते हुए वहां चलने योग्य सुरक्षित मार्ग बनाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि काम ऐसा हो जिससे शहर की सुंदरता बढ़े और आमजन को सुविधा हो।

दुकानों का होगा स्थानांतरण, ट्रैफिक को मिलेगी राहत

तिराहे के आसपास पुराने समय से लगी दुकानों के कारण यातायात बाधित हो रहा था। इस पर डीएम ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि दुकानदारों को अन्य सुरक्षित स्थानों पर व्यवस्थित किया जाए ताकि व्यापार भी प्रभावित न हो और यातायात भी सहज हो सके।

रामलीला मैदान बनेगा सांस्कृतिक केंद्र- रामलीला मैदान के विकास की योजना में चारदीवारी, ग्रीनरी, आधुनिक लाइटिंग, बैठने की व्यवस्था और स्थायी मंच निर्माण शामिल है। डीएम ने निर्देश दिए कि योजना को व्यावहारिक और दीर्घकालिक बनाया जाए ताकि धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों में इसका बेहतर उपयोग हो सके।

पर्यावरण और स्मार्ट सिटी सुविधाएं भी होंगी शामिल- संयुक्त कार्ययोजना में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सोलर लाइट्स और यातायात प्रबंधन के स्मार्ट उपाय भी शामिल किए जा रहे हैं। जल्द ही इन कार्यों की शुरुआत के लिए विस्तृत नक्शा तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

थाने में घुसकर युवकों ने पुलिसकर्मियों से की धक्का मुक्की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर में थाने के अंदर पुलिसकर्मियों के साथ धक्का मुक्की और गाली-गलौज करने का वीडियो सामने आया है। जिसमे कुछ युवक थाने के अन्दर जमकर हंगामा कर रहे हैं। यहां तक कि एक युवक तो दरोगा का हाथ कुछ देर तक पकड़े रहा। पुलिस उनके आगे बेबस दिखी। बताया जा रहा है कि महिला को टक्कर मारने के बाद बुलट सवार दो युवकों को पुलिस थाने लाई थी। युवकों को छुड़ाने के लिए उसके साथी थाने पहुंच गए। करीब दो घंटे तक सदर थाने के अंदर पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज की जाती रही। धक्का मुक्की होने के बाद भी पुलिस हंगामा कर रहे लोगों को मनाती रही। फिलहाल हंगामें के दो वीडियो सामने आने के बाद अब पुलिस की खूब फजीहत हो रही है।

मलिकपुर गांव ग्रामीणों का कहना-हमें नहीं चाहिए ऐसा जल जीवन मिशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। जिले के अंतर्गत बेहजम ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत कैमां खुर्द के मजरा मलिकपुर गांव की अच्छी खासी सडक़ों को पाइप लाइन बिछाने के दौरान नष्ट होती देख ग्रामीणों ने कहना शुरू किया हमें नहीं चाहिए ऐसा जल जीवन मिशन।

कदाचित यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि विभाग के आला अधिकारियों की मिलीभगत व ठेकेदारों की कथित सांठगांठ के चलते महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना आमजन के लिए सुविधा कम परेशानियों का सबब बनी हुई है। ठेकेदारों की ओर से विगत वर्षों से पहले खोदी गई सडक़ों को पीछे मुडक़र नहीं देखा तो कहीं घर के बाहर रास्ते में पड़ी नलियों से पानी सप्लाई शुरू कर दिया है। जिससे

जहां एक तरफ ग्रामीणों के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है वहीं सीमित जल रोजाना हजारों लीटर व्यर्थ बह रहा है।

ताजा उदाहरण कैमा खुर्द की ग्राम पंचायत के गांव मलिकपुर में देखा जा सकता है। जहां ठेकेदार की ओर से विगत वर्ष पहले पाइप लाइन डालने का काम शुरू किया था। ठेकेदार की ओर से आधुनिक उपकरणों से जिस तरह लापरवाही से सडक़ों की खुदाई की है उसे सडक़ों का नामोनिशान सा मिट गया है। खुदाई के बाद आधुनिक उपकरणों से ही उसमें मिट्टी डालने का काम किया गया है। जिससे नाली आदि भर गई हैं। जहांमलिकपुर गांव ग्रामीणों का कहना३हमें नहीं चाहिए ऐसा जल जीवन मिशन।

क्या कहते हैं ग्रामीण

सगीर खां का कहना है कि ग्राम पंचायत कैमां खुर्द में बनी पानी टंकी महज खानापूर्ति और शोपीस बनकर रह गई गांव में विगत एक सप्ताह से पानी सप्लाई नहीं आ रही है,जिसके चलते ग्रामीणों को दूर दराज से पीने योग्य पानी लेने का दंश झेल रहे हैं। वहीं गांव मलिकपुर के साजिद खान ने बताया कि गांव में जल जीवन मिशन के तहत लगाई गई टंकी में नल ही नहीं है,सप्लाई आने पर पानी खुले में चलता है पानी के निकास की व्यवस्था न होने कारण रास्ते में पानी भर जाता हैं और सप्लाई मात्र खानापूर्ति है, जल जीवन मिशन द्वारा बनाई गई सभी रोड एक नाले का स्वरूप ले चुकी है। आरसीसी सडक़ को तोड़ा गया है वहां तो खाई बनी हुई है। जिससे पशुधन के साथ-साथ महिलाओं के आवागमन में जिन्हें घरेलू कामकाज को लेकर सिर पर वजन लेकर जाना पड़ता है भारी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है।

युवती को बहला फुसलाकर कर भागने वाले झोलाछाप डॉक्टर पर पुलिस ने केस दर्ज किया

अजान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र की अजान चौकी अंतर्गत एक गांव की नव युवती, जो जगरानी हॉस्पिटल में कंपाउंड्री (डाक्टरी कार्यों की ट्रेनिंग) सीख रही थी, अचानक 5 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने एक झोलाछाप डॉक्टर पर उसे बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी, जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। युवती के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 जून गुरुवार सुबह परसेड़िया गांव निवासी सलमान उनकी बेटी को कस्बा अजान स्थित जगरानी हॉस्पिटल छोड़ने गया था। शाम तक जब बेटी घर नहीं लौटी तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। काफी तलाश के बाद पता चला कि उसी हॉस्पिटल में काम करने वाला कथित झोलाछाप डॉक्टर योगेश कुमार, जो थाना मोहम्मदी क्षेत्र के एक गांव का निवासी है, युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है।उप निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि युवती हॉस्पिटल में कंपाउंड्री सीख रही थी और वहीं के डॉक्टर से उसका प्रेम संबंध था।

वन रेंज मैलानी टीम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन रेंज मैलानी के वन चौकी जटपुरा में वन दरोगा राजाराम के नेतृत्व में वृक्षारोपण में फलदार पौधे जिसमें जामुन,आम,अमला, शरीफ, अमरूद जैसे पौधों का पौधा रोपण कर कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना,वन रेंज मैलानी के आर एफओ रमेशचंद्र मौर्य ने अपने संबोधन में बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण करना एक महत्वपूर्ण कदम है,जो पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद करता है, बल्कि वृक्षारोपण से न केवल वातावरण शुद्ध होता है बल्कि यह जीवन को भी स्वस्थ बनाने में मदद करता है। इस कार्यक्रम में वन दरोगा राजाराम तिहारी,हेमंत कुमार सिंह वन दरोगा,वन रक्षक उदय प्रताप सिंह,हरेंद्र यादव फॉरेस्गार्ड,बाचर कमरुद्दीन मंसूरी, मुशर्रफ अली,नूर खान,राम सिंह,अनीस अहमद,जगेसुर सहित आदि वन टीम में मौजूद रहे। जिसमें पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन रेंज मैलानी बफर जोन क्षेत्राधिकारी साजिद हसन ने कहा कि हम सभी लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए और वृक्षारोपण जैसेकार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। हम सब लोग मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मिशन लाइफ के दृष्टिकोण को आगे बढ़ने के आवाहन के साथ एक पेड़ मां के नाम 2.0 पहल का लक्ष्य 5 जून से लेकर 30 सितंबर 2025 तक 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प किया हैं।

ब्लॉक बाँकेगंज की ग्राम पंचायत भुड़वारा में वर्ष 2017-18 में शौचालयों में बड़े पैमाने पर भ्रस्ट्राचार का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। ब्लॉक बांकेगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत भुडवारा में शिकायतकर्ता प्रतुल कुमार के द्वारा भेजे गए शिकायती पत्र में कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बनाए गए शौचालयों में घोर अनियमिता की गई जैसे पुराने बने हुए शौचालय पुनः पेंट करके उसके पैसे निकाल लिए गए हैं। बिना स्वीकृत पत्र और घोषणा पत्रों को भरे हुए शासन की अनुमति के बिना अपने चहेतो के नाम से चेक को काटा गया है। एक ही शौचालय पर बार-बार पेंट करके दूसरे लोगों के नाम लिखकर उनको वेबसाइट पर अपलोड किया गया है और पैसे निकाल लिए गए हैं। आर्थिक रूप से बहुत मजबूत लोग जिनमें से कुछ की करोड़ो रुपए की कोठी बनी हुई है ऐसे लोगों के नाम शौचालय का पैसा निकाला गया है। जो

- शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री व जिलाधिकारी सहित उच्चाधिकरियों को शिकायत भेज कर जांच की मांग की है

कुछ शौचालय बने हुए हैं वह मानक के अनुसार नहीं है जैसे दो गड्ढों का ना होना चेंबर का ना होना और रूरल पेनल शीट का ना होना। अधिकांश शौचालय बिल्डिंग के साथ शिफ्ट हैं इससे साफ जाहिर होता है कि शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया है और पहले से ही बने हुए शौचालय को पेंट कर उस पर नाम लिखकर करके फोटो को अपलोड कर दिया गया और सरकारी धन का गबन किया गया। शिकायतकर्ता ने ऐसे लगभग 100 लोगों के नाम की सूची भी शिकायती पत्र के साथ में संलग्न कर के भेजी है और जल्द जाँच की मांग की है।

सीडीओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक, तैयारियों को मिली गति

- योग दिवस पर जिलेभर में वृहद आयोजन की तैयारी, सामाजिक संस्थाएं भी होंगी सहभागी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तथा उससे पूर्व 15 जून से प्रारंभ होने वाले योग सप्ताह के सफल आयोजन की रूपरेखा तय करने के उद्देश्य से शुक्रवार को विकास भवन स्थित विवेकानंद सभागार में सीडीओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि यह आयोजन सम्पूर्ण जिले में वृहद स्तर पर ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'', थीम के तहत मनाया जाना

है। जिसकी तैयारी अभी से शुरू कर दें और सहयोगी संस्थाओं द्वारा भी इसमें विशेष भागीदारी कराएं। 15 जून को छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के नीलकंठ मैदान में योग सप्ताह का शुभारंभ किया जाए। साथ ही पार्कों में,जिले के अमृत सरोवर, ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल, सभी सरकारी एवं निजी संस्थानों में वाई ब्रेक, कार्यशाला कर और अपनी फोटोज आयुष कवच ऐप पर अपलोड करते हुए जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार सिंह को सूचना देते रहें।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. हरबंश कुमार तथा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ.शैलेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में योग प्रशिक्षकों के माध्यम से योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया जाएगा। साथ ही प्रचार-प्रसार हेतु होर्डिंग्स आदि की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य आयोजन आगामी 21 जून को जिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.), राजापुर, लखीमपुर स्थित ऑडिटोरियम में वृहद स्तर पर किया जाएगा। बैठक के दौरान स्वामी विवेकानंद सभागार में उपस्थित अधिकारियों एवं संस्थागत सदस्यों को वाई-ब्रेक योग का अभ्यास भी कराया गया। ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को सफल बनाने हेतु नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाएं गायत्री परिवार, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी, भारत विकास परिषद, भारतीय योग संस्थान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं योग प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से योग प्रशिक्षक कुलदीप वर्मा, अमित कुमार, मास्टर ट्रेनर शशिकांत शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

अचानक बेहोश हुए राजस्व निरीक्षक मंशाराम

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। तहसील सिरौलीगौसपुर में तैनात 58 वर्षीय राजस्व निरीक्षक मंसाराम शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक बेहोश हो गए। राजस्व कर्मचारियों ने तुरंत एसडीएम प्रीति सिंह को सूचित किया।एसडीएम प्रीति और तहसीलदार शरद सिंह ने अपनी गाड़ी से मंसाराम को संयुक्त चिकित्सालय सिरौली गौसपुर पहुंचाया। अस्पताल में सीएमएस डॉक्टर एके सिन्हा, डॉक्टर गौरव कृष्णा, डॉक्टर देव प्रताप सिंह और सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर संतोष सिंह की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया।प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों की टीम ने राजस्व निरीक्षक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल लखनऊ रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंचे परिजन भी अस्पताल पहुचे।

पुलिस मुठभेड़ में वेयर हाउस चोरी का वांछित गिरफ्तार

बाराबंकी । रात्रि को स्वाट व थाना देवा की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा लूट/चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु गश्त/चेकिंग की जा रही थी तभी मुखबिर द्वारा माती पुल से सैहारा रोड के पास एक संदिग्ध व्यक्ति के होने की सूचना प्राप्त हुई । प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर चेकिंग करते हुए संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का इशारा किया गया। मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध व्यक्ति पुलिस टीम को देख कर भागने लगा तथा संदिग्ध व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की गई। पुलिस द्वारा की गई आत्मरक्षार्थ फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल/गिरफ्तार अभियुक्त सैज हुसैन उर्फ फैय्याज हुसैन पुत्र अन्जुम हुसैन निवासी गुल्लागीर कालोनी थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच,हालपता ग्वारी चौराहा थाना गोमती नगर जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया गया । घायल अभियुक्त सैज हुसैन उपरोक्त को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया ।

डीएम ने समूह की पुष्टाहार निमार्ण इकाई का किया निरीक्षण

बाराबंकी। शुक्रवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन के साथ उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत संचालित पुष्टाहार निर्माण इकाई, अन्नप्राशन महिला उद्योग, प्यारेपुर सरैया, विकास खण्ड मसौली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समूह कि महिलाओं के कार्यों का देखा और पुष्टाहार के निर्माण एवं उसमें आने वाली समस्याओं पर चर्चा की, पुष्टाहार निर्माण इकाई अध्यक्ष श्रीमती ममता द्वारा बताया गया कि अभी माह जून 2025 का विकास खण्ड मसौली के आंगनबाड़ी केन्द्रो का पुष्टाहार बन रहा है एवं 11.21 एमटी उत्पादन कार्य पूर्ण भी कर लिया गया है एवं उनके द्वारा बताया गया कि 6 रेसिपि (6 महीने से 3 वर्ष तक के बच्चों हेतु आटा बेसन हलवा, 3 से 6 वर्ष के बच्चों हेतु आटा बेसन बर्फी, दलिया, मूंगदाल, खिचड़ी, गर्भवती और धात्री हेतु आटा बेसन बर्फी प्रीमिक्स तथा कुपोषित बच्चों हेतु ऊर्जायुक्त हलवा प्रीमिक्स का निर्माण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने समूह कि महिलाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान उपायुक्त (स्वतः रोजगार) बी के मोहन द्वारा जिलाधिकारी को पुष्टाहार निर्माण इकाई की कार्य प्रणाली के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

नवाबगंज को मिला लेडी डॉक्टर बंगला भूमि का स्वामित्व!

बाराबंकी। वर्षों से विवादित ग्राम पैसार स्थित बहुचर्चित 'लेडी डॉक्टर बंगला' की भूमि पर अब नगर पालिका नवाबगंज का वैध स्वामित्व सिद्ध हो चुका है। यह निर्णय न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी सौगात की भूमिका निभाने जा रहा है। गाटा संख्या 199, रकबा 03 बीघा 16 बिस्वा 13 घुर की इस भूमि को लेकर लंबे समय से दावा-आपत्ति चल रही थी। न्यायालय उपजिलाधिकारी बक्शी का तालाब द्वारा इसे नगर पालिका परिषद नवाबगंज की भूमि मानते हुए नगर पालिका को कब्जा प्रदान किया था। लेकिन दिनांक 11 मार्च 2024 को श्रीमती सईद फातिमा अशरफ आदि ने इस आदेश के विरुद्ध न्यायालय आयुक्त, अयोध्या मण्डल में अपील दाखिल की थी। आयुक्त महोदय ने मामले की गहराई से जांच कर दोनों पक्षों को सुनवाई का पूरा अवसर प्रदान किया। अंततः 4 जून 2025 को पारित निर्णय में अपील को निरस्त करते हुए उपजिलाधिकारी के आदेश को सही ठहराया गया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उक्त भूमि नगर पालिका नवाबगंज के वैध स्वामित्व में ही है।

भारतीय दिव्यांग यूनियन ने 6 सूत्री मांगों को लेकर की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ब्लॉक खंड कुंभी गोला में भारतीय दिव्यांग यूनियन गोला की मासिक बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता कर रहे गोला तहसील के अध्यक्ष विकास कुमार ने की दूर-दूर से आए हुए दिव्यांग भाई बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांग भाई बहनों की समस्याओं को लेकर 6 सूत्री मांगे निम्नलिखित है। सभी दिव्यांग भाई बहनों के अंत्योदय राशन कार्ड बनाए जाएं।,-सभी दिव्यांगजनों को मुद्रा ऋण योजना पर प्राथमिकता के आधार पर योजना का लाभ दिया जाना सुनिश्चित हो,रोडवेज बसों में दिव्यांगजन सम्मान पूर्वक यात्रा नहीं कर पा रहे हैं दिव्यांगों को देखते ही बस चालक बस नहीं रोकते हैं जिससे दिव्यांगजन अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं।,सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए दिव्यांग जनों को अनदेखी किया जाता है जिससे दिव्यांगजन काउंटर अलग से बनाया जाए ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो ,कोई भी अधिकारी दिव्यांगजनों की बात सुनने को तैयार नहीं होता है ना ही

सम्मान पूर्वक बैठता है और ना ही बात करता है ,दिव्यांग आरक्षण के आधार पर मंडी समितियां में लाइसेंस धारक दिव्यांग भाई बहनों को आरक्षण का लाभ दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। फिर भारतीय दिव्यांग यूनियन गोला के पदाधिकारी ने सोमवार को तहसीलदार गोला सुखबीर सिंह से मुलाकात की दिव्यांगों की समस्याओं को लेकर चर्चा की और उनका ध्यान पुनः केंद्रित किया तहसीलदार ने कहा है कि जो भी दिव्यांग की समस्याएं हैं वह मेरी कलम से उनकी समस्याओं का निवारण नहीं हो पा रहा है मैंने अपने ऊपर वाले अधिकारियों को दिव्यांगों की समस्याओं को लेकर जो ज्ञापन आया था मेरे पास मैंने रिमाइंडर बनाकर भेज दिया है वही अधिकारी गण दिव्यांगजनों की समस्याओं का निवारण करवाएंगे भारतीय दिव्यांग यूनियन गोला ने यहां निर्णय लिया है कि दिव्यांग भाई बहनों को जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा और जंब सभी क्षेत्र के दिव्यांग भाई-बहन जब जुड़ जाएंगे तो एक बहुत बड़ा आंदोलन किया जाएगा । दिव्यांगजन इन हालातो से डरने वाले नहीं है हम पैरों से तो दिव्यांग हैं लेकिन साहब हम लड़ेंगे जरूर इस मौके पर अमित कुमार, मिथिलेश कुमार राजेश मौर्य , रियाजुद्दीन इद्रीसी मौजूदा सभासद . विजयपाल गौतम. तिलकराम वर्मा. मिथिलेश कुमार. संजेश कुमार राठौर द्रागपाल रीना सीमा जावेद आदि दिव्यांग भाई बहन उपस्थित रहे।

ग्राम न्यायालय में हुआ पांच मामलों का निस्तारण

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर की ग्राम न्यायालय ने एक नई पहल की है। मेलारायगंज पंचायत भवन में न्यायाधीश ने कोर्ट लगाकर पांच मुकदमों का निस्तारण किया। सचल न्यायालय के न्यायाधिकारी कमल कांत तिवारी ने इन मामलों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निपटाया।ग्राम न्यायालय के न्यायाधीश कमल कांत तिवारी ने बताया कि सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में हर 15 दिन पर एक कोर्ट चौपाल लगेगी। महीने में दो बार कोर्ट चौपाल के माध्यम से छोटे-छोटे मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इससे गरीब लोगों को राहत मिलेगी और मामलों का जल्द निपटारा होगा।कोर्ट में बदोसरांय थाने के दो मामले और टिकैत नगर थाने के दो मामलों का निपटारा हुआ। साथ ही थाना सफदरगंज क्षेत्र के एक वारंटी का वारंट रिकॉल किया गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार, उपनिरीक्षक सुरेश कुमार, रोहित शर्मा, पूजा रानी पटेल और शोभा रेखा मौजूद रहे। कार्यक्रम में नायब एडवोकेट, बालचंद्र एडवोकेट, प्रधान प्रतिनिधि माजिद हासमी, शिब्ली मिया, अदीब मिंया सहित कई महिला-पुरुष उपस्थित थे।

बाबा जयगुरुदेव के आगमन की मनाई गई वर्षगांठ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बेहजम खीरी। ग्राम लोहटी में बाबा जयगुरुदेव महाराज के आगमन के उपलक्ष्य में सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। सत्संग के बाद भंडारा हुआ। बेहजम ब्लाक के लोहटी गांव में बाबा जयगुरुदेव महाराज 6 जून 1979 को पधारे थे।उसी के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष बाबा के भक्त सत्संग समारोह और भण्डारा करते हैं। इस साल भी बाबा जयगुरुदेव के आगमन पर सत्संग समारोह आयोजित किया गया। सत्संग समारोह को जिला अध्यक्ष मनोहर सिंह ने सम्बोधित करते हुए मानव जीवन को सार्थक बनाने के लिए संत महात्माओं की शरण में जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाबा जयगुरुदेव महाराज के उत्तराधिकारी पंकज महाराज बाबा जयगुरुदेव महाराज के मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं।वे लगातार काफिला निकाल कर लोगों को शाकाहारी रहने की सलाह देते आ रहे हैं। महराज प्रभू प्राप्ति का भेद नामदान भी देते आ रहे हैं। सत्संग समारोह को श्रीकृष्ण यादव, नरेंद्र कुमार ने भी सम्बोधित किया। सत्संग के बाद भंडारा हुआ। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर मनोज त्रिवेदी, मनोहर सिंह, वैद्यनाथ मास्टर, नरेंद्र कुमार, सियाराम, रामचंद्र,शिव बालक,सरोज वर्मा सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

एसडीएम गोला विनोद कुमार गुप्ता एवं सीओ गोला ने कुर्बानी स्थलों का किया निरीक्षण

- जिम्मेदार लोगों के साथ की अहम बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। थाना मैलानी पुलिस दल बल के साथ एसडीएम गोला विनोद कुमार व सीओ गोला गौतम के नेतृत्व में कस्बा कुकरा की प्रमुख गलियों में किया फ्लेग मार्च एवं जिम्मेदार लोगों के साथ की बैठक जिसमें ईद उल अजहा में होने वाली कुर्बानियों को मद्देनजर रखते हुए एसडीएम गोला विनोद कुमार गुप्ता एवं सीओ गोला गौतम व थाना अध्यक्ष मैलानी निराला तिवारी,चौकी प्रभारी अबलीश पंवार ने आदि के साथ कस्बा की मस्जिदों के इमाम,मदरसों के सदर तथा अंजुमन कमेटी के ओहदेदारों के साथ बैठक कर बताया कि पुलिस की सतर्क निगाह रहेगी। अगर किसी ने अराजकता करने की कोशिश की तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा।

चौकी प्रभारी अवलीश कुमार पवार ने कहा कि कस्बा कुकरा में कुर्बानगाहों के 10 प्वाइंट हैं। प्रत्येक कुर्बानगाह की ड्रोन कैमरे से निगरानी होगी। किसी कुर्बानगाह से कुर्बानी के जानवर का वीडियो यदि वायरल होता है तो ऐसे अराजक तत्व पर कानून का बुलडोजर चलेगा और सोशल मीडिया पर रहेगी कड़ी नजर। हिंदू-मुस्लिम गंगा जमुनी तहजीब को तार-तार करने वाले के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। एस डीएम गोला विनोद कुमार गुप्ता,सीओ गोला गौतम,थाना अध्यक्ष मैलानी निराला तिवारी,चौकी प्रभारी अवनीश कुमार पवार,चौकी प्रभारी संसारपुर मोहित पुंडीर,बांकेगंज चौकी इंचार्ज संतोष तिवारी के साथ ईद उल अजहा एवं कुर्बानियो को लेकर कुकरा चौकी में कस्बा के संभ्रांत एवं जिम्मेदारों के साथ की गई की बैठक जिम्मेदार को चाहिए कि कुर्बानी के मांस को खुले में न ले जाने दें और खुली जगह में कुर्बानी न हो। शेष बचे अवशेषों का निस्तारण

करने के लिए बस्ती के बाहर सुपुर्देखाक करें। बैठक में तैबा नगर मदरसे के सदर मौलाना सआदत रसूल,दारुल उलूम के प्रबंधक मौलाना मोहम्मद हनीफ कासमी,मदरसा अंसारुल उलूम के सदर मुदर्रिश हाफ़िज अबदुस्सलाम अंसारी,नफातुल मुस्लिमीन के प्रबंधक मौलवी रौनक़ अली,ताज़ मस्जिद के इमाम हाफ़िज़ वली मोहम्मद,खुशनुमा मस्जिद के इमाम हाफ़िज़ अबरार हुसैन, रजा नगर मस्जिद के इमाम मौलाना अनवार,शाही मस्जिद के इमाम हाफ़िज़ शकील अहमद, ख्वाजा मदरसे के प्रबंधक शमीम खान,प्रधान प्रतिनिधि फुरकानुद्दीन,शैर अली खान,मुख्तार अहमद,इरफ़ान पठान,अब्दुल हसीब खान,जकिउद्दीन खान,तहसीन अली,गुलाब खान,नबी हेड कांस्टेबल अमरीश पटेल,कस्टेबल राजमान साहनी, श्याम कुमार वर्मा,चकित कुमार,सौरभ उज्जवल,शैलेंद्र कुमार,करन कुमार,शोनू सिंह सहित थाना मैलानी पुलिस दलबल के साथ तमाम लोग मौजूद रहे।

एमओयू निवेशकों की समस्याओं का प्राथमिकता पर करें निस्तारण : डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में औद्योगिक निवेश को गति देने और एमओयू निवेशकों को सहयोगी वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में एक अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निवेशकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, ताकि जनपद में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन मिल सके।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एमओयू निवेशकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में उन्होने सम्बन्धित

अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निवेशकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराया जाय। इन्हें जहां कहीं पर किसी भी विभाग से एनओसी प्राप्त करनी हो अधिकारी उसमें भी सहायता करे। उन्होने कहा कि जो समस्यायें न सुलझें एवं कहीं पर भी कोई समस्या आ रही है तो हमें उन्हें अवगत करायें। निवेशकों के हित में तत्काल उचित कार्यवाही की जायेगी। बैठक के दौरान निवेशक उद्यमियों द्वारा उठाई गई समस्याओं को संबंधित विभागों ने संज्ञान में लिया और उनके त्वरित समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर अमिता यादव, उपायुक्त उद्योग उज्जवल सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, ईओ संजय कुमार, आईएमए के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल सहित एमओयू निवेशक मौजूद रहे।

शुभमन गिल की टेस्ट कप्तानी की शुरुआत

'स्पष्टता और आत्मविश्वास' को बनाना चाहते हैं टीम की पहचान

एजेंसी

मुंबई। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने गुरुवार को अपने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण को लेकर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाया। 25 वर्षीय गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ से अपनी कप्तानी की शुरुआत करने जा रहे हैं और उनका लक्ष्य है – टीम के भीतर विश्वास और पारदर्शिता की संस्कृति को विकसित करना। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, मेरे पास कोई खास कप्तानी का स्टाइल नहीं है। जितना ज़्यादा खेलते हो, उतना ज़्यादा अनुभव आता है और आपकी अपनी शैली खुद सामने आती है। मेरे लिए सबसे जरूरी चीज़ है खिलाड़ियों से संवाद, उन्हें उनकी ताकत और कमजोरी को लेकर सहज महसूस कराना। अगर खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे अपना 100% दे पाते हैं। गिल ने रोहित शर्मा की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा, रोहित भाई की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी साफ़-साफ़ बात करने की शैली। वे जानते थे कि खिलाड़ियों से क्या चाहिए और उसे साफ़ तरीके से बताते थे। मैं भी वही अपनाना चाहूंगा। भारत को हाल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में गिल को बड़ी चुनौती के साथ कप्तानी सौंपी गई है। इस पर गिल ने कहा, हर दौरे में दबाव होता है। हमारे पास अच्छा कॉम्बिनेशन है – अनुभव और टैलेंट का। नए सिरे से शुरुआत करने का मौका है और हम इसके लिए तैयार हैं। गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान हैं और 1988 में एक टेस्ट के लिए कप्तान बने रवि शास्त्री के बाद सबसे कम उम्र के टेस्ट लीडर हैं। गिल ने बताया कि टीम का बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हम 10 दिनों का कैंप करेंगे और 13 से 16 जून के बीच एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी होगा। उसी के बाद हम तय करेंगे कि कौन किस क्रम पर खेलेगा। गौरतलब है कि भारत की 18 सदस्यीय टीम में पहली बार शामिल हुए हैं बी. साई सुधर्शन, जबकि 8 साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं करुण नायर। अभिमन्यु ईश्वरन को भी बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर विकल्पों में नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा शामिल हैं। हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, ह्लकेवल पिच की स्थिति नहीं, इंग्लैंड में ऊपर के हालात भी अहम होते हैं। टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेने जरूरी होते हैं। चाहे बैटर 1000 रन बना लें, पर अगर 20 विकेट नहीं लिए, तो जीत मुश्किल है। इंग्लैंड की आक्रामक टेस्ट शैली 'बाज़बॉल' को लेकर गिल ने कहा, ह्लवे एक खास अंदाज़ में खेलते हैं। लेकिन यह हमारे लिए एक मौका है। अगर हम अपने प्लान और एग्ज़ीक्यूशन में प्रोऐक्टिव रहे, तो उन्हें दबाव में डाल सकते हैं। एकदिनी और टी 20 में भारत अभी भी नंबर 1 टीम है, लेकिन टेस्ट में बदलाव का दौर है। गिल के सामने मौका है न सिर्फ खुद को कप्तान के तौर पर साबित करने का, बल्कि टीम को फिर से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ में लाने का भी। अगले फाइनल तक गिल 27 वर्ष के होंगे, और यही दो साल उनकी कप्तानी की असली परीक्षा होंगे।

उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

एजेंसी

सियोल। उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने गुरुवार को पहली बार पुरुष विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया, जबकि दक्षिण कोरिया ने लगातार 11वीं बार इसमें अपनी जगह पक्की की। अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ उज्बेकिस्तान के लिए ग्रुप ए में ईरान के बाद दूसरा स्वतः क्वालीफिकेशन स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त था। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने इराक को 2-0 से हराकर विश्व कप मे अपना स्थान पक्का किया। दक्षिण कोरिया की दो गोल के अंतर से जीत जॉर्डन के लिए पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थी। उसने इससे पहले ओमान को 3-0 से हराकर शीर्ष दो में जगह बनाई थी। जॉर्डन की तरफ से तीनों गोल अली ओलवान ने किए। ग्रुप सी में चीन को जकार्ता में इंडोनेशिया के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस ग्रुप के एक अन्य मैच में अज़ीज़ बेहिच के अंतिम मिनट में किये गए गोल से ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहले से ही क्वालीफाई कर चुकी जापान की टीम को 1-0 से हराया। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम लगातार छठी बार विश्व कप में खेलने के करीब पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया की जापान के खिलाफ 16 वर्षों में यह पहली जीत थी।

संक्षिप्त समाचार

अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर में चिली को 1-0 से हराया

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफाई मुकाबले में अर्जेंटीना ने चिली को 1-0 से हराकर तीन अंक हासिल किए। यह मुकाबला गुरुवार को सैंटियागो में खेला गया। अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल जूलियन अल्वारेज़ ने 23वें मिनट में किया। अर्जेंटीना और चिली के बीच फुटबॉल में लंबे समय से जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रही है, जिसमें 1942 की दक्षिण अमेरिकी चैम्पियनशिप से लेकर 2016 कोपा अमेरिका फाइनल तक के मुकाबले शामिल हैं। उस फाइनल में हार के बाद लियोनेल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा कर दी थी, हालांकि बाद में वे दोबारा खेल में लौट आए थे। इस मुकाबले में अर्जेंटीना पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका था, इसलिए कप्तान मेसी को शुरुआती ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया। टीम ने युवा खिलाड़ियों निको पाज़, जूलियन अल्वारेज़ और जियोवानी सिमीओने के साथ शुरुआत की। हालांकि, मैच की पहली वास्तविक कोशिश चिली ने की, जब तीसरे ही मिनट में एलेक्सिस सांचेज़ ने बॉक्स के बाहर से ज़ोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक लिया। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बना लिया और पहले हाफ में चिली को कोई खास मौका नहीं दिया। 13 मिनट बाद थियागो आल्माडा ने एक शानदार पास दिया, जिसे अल्वारेज़ ने चिप शॉट से गोल में तब्दील कर दिया। गेंद गोलपोस्ट से लगकर भीतर चली गई। दूसरे हाफ में चिली ने वापसी की कोशिश की और 60वें मिनट के बाद तीन बार गोल करने की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना की मजबूत रक्षा और गोलकीपर मार्टिनेज़ की फुर्ती ने उसे बराबरी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग अंक तालिका में अपराजेय बढ़त बना ली है, जबकि चिली सबसे नीचे है और उसकी विश्व कप में जगह बनाने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अब अर्जेंटीना 10 जून को कोलंबिया से भिड़ेगा, जबकि चिली का सामना उसी दिन बोलिविया से होगा। 2026 विश्व कप के लिए शीर्ष छह टीमें सीधा प्रवेश पाएंगी।

फ्रांस को हराकर स्पेन नेशंस लीग के फाइनल में

स्टटगार्ट। युवा खिलाड़ी लेमिन यामल के दो गोल की मदद से स्पेन ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में फ्रांस को 5-4 से हरा दिया। सत्रह वर्षीय यामल ने गुरुवार को फ्रांस के डिजायर डू और ओसमान डेम्बेले जैसे युवा खिलाड़ियों के सामने खुद को बेहतर साबित किया, जिससे स्पेन ने डिडिएर डेसचैम्प्स की टीम के खिलाफ शुरू में दबदबा बनाते हुए रविवार को पुर्तगाल के खिलाफ होने वाले फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने बुधवार को मेजबान देश जर्मनी को 2-1 से हराया था। यह नेशंस लीग के इतिहास में सर्वाधिक स्कोर वाला मैच था। फ्रांस ने चार में से तीन गोल तब किए जब यामल ने स्कोर 5-1 कर दिया था और स्पेन के खिलाड़ी अपनी जीत को पक्की मान चुके थे।

दीक्षा डागर पहले दौर के बाद शीर्ष 10 में

टेनेरिफ (स्पेन)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने स्पेन में शानदार शुरुआत की और वह यहां खेली जा रही लेडीज यूरोपीय टूर की प्रतियोगिता टेनेरिफ महिला ओपन में दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर पहले दिन संयुक्त छठे स्थान पर रहीं। दीक्षा शीर्ष पर चल रही आयरलैंड की लॉरेन वाल्श और डेनमार्क की सोफी किब्सगार्ड नीलसन से तीन शॉट पीछे हैं, जिन्होंने पांच अंडर 67 का स्कोर बनाया। इस प्रतियोगिता में भाग ले रही अन्य भारतीय खिलाड़ियों में अवनी प्रशांत (71), हिताशी बक्शी (72), त्वेसा मलिक (73) और स्नेहा सिंह (77) शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों में दीक्षा के अलावा अवनी प्रशांत ने अच्छा प्रदर्शन किया और वह पहले दौर के बाद संयुक्त 17वें स्थान पर हैं।

सेबी ने मेहुल चोकसी के बैंक खातों, शेयरों, म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का आदेश दिया

नयी दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने गीतांजलि जेम्स के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में 2.1 करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए फरार हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के बैंक खातों, शेयरों एवं म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का आदेश दिया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यह कदम 15 मई को चोकसी को भेजे गए एक नोटिस के बाद उठाया गया है, जिसमें 15 दिन के भीतर भुगतान न करने पर संपत्ति के साथ बैंक खाते भी जब्त करने की चेतावनी दी गई थी। चोकसी ने गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में जनवरी, 2022 में सेबी द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं किया था जिसके बाद यह नोटिस जारी किया गया था। चोकसी गीतांजलि जेम्स का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक होने के साथ प्रवर्तक समूह का हिस्सा भी था। वह एक अन्य भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी का मामा है। दोनों पर सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। वर्ष 2018 की शुरुआत में पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद चोकसी और मोदी दोनों ही भारत से भाग गए थे। भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद अप्रैल में चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। वहीं मोदी को मार्च, 2019 में स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने गिरफ्तार किया था और वर्तमान में वह उस देश की जेल में है। सेबी ने चार जून, 2025 को जारी जब्ती नोटिस में कहा कि 2.1 करोड़ रुपये के लंबित बकाया में 1.5 करोड़ रुपये का शुरुआती जुर्माना और 60 लाख रुपये का ब्याज शामिल है। बकाया वसूलने के लिए सेबी ने सभी बैंकों, डिपॉजिटरी- सीडीएसएल एवं एनएसडीएल और म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा कि वे चोकसी के खातों से किसी भी तरह की निकासी की अनुमति न दें। हालांकि, इन खातों में जमा की अनुमति है। इसके अलावा, सेबी ने बैंकों को चूककर्ता के लॉकर समेत सभी खातों को कुर्क करने का निर्देश दिया है। सेबी ने जनवरी, 2022 में पारित अपने आदेश में चोकसी पर 1.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही उसे एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था।

गुकेश ने वेई यी को हराया, कार्लसन के साथ खिताब के दावेदार बने

स्टावेंजर (नॉर्वे)। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में चीन के वेई यी को हराकर तीन अंक हासिल किए और नॉर्वे के स्टार मैग्नस कार्लसन के साथ खिताब के लिए शीर्ष दावेदार बन गए। अब जब कि केवल एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है तब गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन छह खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में उनसे केवल आधा अंक आगे हैं। कार्लसन ने हारने की स्थिति से वापसी करते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया और पूरे अंक हासिल किए। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा। दोनों ही खिताब और 69,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहेंगे।

टीम बैठकों में सिर्फ इसी पर चर्चा होती थी कि पुजारा को कैसे आउट किया जाए: रोहित शर्मा

एजेंसी

मुंबई। चेतेश्वर पुजारा को कैसे आउट किया जाए? यह एक ऐसा सवाल था जिस पर रोहित शर्मा और मुंबई के उनके साथी जूनियर क्रिकेट के दिनों में अक्सर चर्चा करते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि सौराष्ट्र का यह बल्लेबाज लगातार दो या तीन दिन बल्लेबाजी करके उनकी उम्मीदों पर सकता है। रोहित ने खुलासा किया कि पुजारा का विकेट अक्सर आयु वर्ग के मैचों में उनकी टीम के लिए जीत या हार का अंतर होता था। यह इस दिग्गज बल्लेबाज के शुरुआती लक्षण थे, जिन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत तथा 19 शतक और 35 अर्द्धशतक की मदद से 7,195 रन बनाए। रोहित ने गुरुवार को यहां पुजारा की पत्नी पूजा की किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ' के विमोचन के अवसर पर कहा, ''मुझे अब भी याद है कि टीम बैठकें सिर्फ इसी पर केंद्रित होती थीं कि उसे कैसे आउट किया जाए और अगर हम उसे आउट नहीं कर पाते हैं तो हम मैच हार सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने मजाक में कहा कि पुजारा के खिलाफ खेलने से उनका चेहरा इतना बदल जाता था कि उनकी मां भी थोड़ी परेशान हो जाती थीं। उन्होंने कहा, ''मुझे बस इतना याद है कि जब मैं 14 साल का था और मैदान से शाम को जब वापस आता था, तो मेरे चेहरे का रंग बिल्कुल बदल जाता था। रोहित ने कहा, ''क्योंकि वह पूरे दिन बल्लेबाजी करता था और हमें दो-तीन दिन तक धूप में फील्डिंग करनी पड़ती थी। मुझे अब भी याद है कि मेरी मां ने मुझसे कई बार पूछा था कि जब तुम घर से खेलने जाते हो, तो तुम अलग दिखते हो और जब तुम एक हफ्ते या 10 दिन बाद घर आते हो, तो तुम अलग दिखते हो। रोहित ने कहा, ''मैं कहता था, मां मैं क्या करूं। चेतेश्वर पुजारा नाम का एक बल्लेबाज है। वह तीन दिनों से बल्लेबाजी कर रहा है।' पुजारा को लेकर हमारी शुरुआती धारणा यही थी। रोहित ने कहा कि करियर की शुरुआत में दोनों घुटनों में एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) की चोट के बावजूद 100 से अधिक टेस्ट खेलने का श्रेय पुजारा को दिया। उन्होंने कहा, ''(यह) बहुत बड़ी और बहुत बुरी चोट थी। उसकी दोनों एसीएल चली गई थीं। किसी भी क्रिकेटर, एक खिलाड़ी के लिए यह बहुत मुश्किल होता है जब वह अपनी दोनों एसीएल गंवा देता है। इसके बावजूद वह भारत की तरफ से 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने में सफल रहा। इसका पूरा श्रेय पुजारा को जाता है। इस अवसर पर पुजारा ने 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को अपने करियर की सबसे मुश्किल श्रृंखला बताया।

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को मुख्य कोच नियुक्त किया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने गैरी स्टीड के स्थान पर रॉब वाल्टर को अपनी पुरुष क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों का कोच नियुक्त किया है। वाल्टर जनवरी 2023 से इस साल अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की वनडे और टी20 टीमों के कोच रहे। इससे पहले वह न्यूजीलैंड के ओटागो प्रांत और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स एसोसिएशन में पांच साल तक कोच रहे। वाल्टर के कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका ने वनडे विश्व कप 2023 और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सैनी फाइनल में जगह बनाई थी। यही नहीं उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। स्टीड 2018 से तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड के मुख्य कोच थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस सप्ताह के शुरू में घोषणा की कि वह उनके स्थान पर नए कोच की तलाश कर रहा है। स्टीड ने मार्च में घोषणा की थी कि वह सीमित ओवरों के प्रारूपों में अपनी भूमिका से हट रहे हैं, लेकिन टेस्ट कोच के रूप में बने रहना चाहते हैं।

फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में बड़ा उलटफ़ेर: सबालेंका ने गत चैंपियन स्वियातेक को किया बाहर

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 में गुरुवार को महिला एकल वर्ग में बड़ा उलटफ़ेर देखने को मिला। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने चार बार की चैंपियन और गत विजेता इगा स्वियातेक को सेमीफाइनल में 6-7(1), 6-4, 6-0 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ स्वियातेक की रोलां गैरो पर 26 मैचों की जीत की लय भी टूट गई। इगा स्वियातेक ओपन युग (1968 से) में पहली महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं, जो पेरिस में लगातार चार खिताब जीततीं। हालांकि सबालेंका की ताकतवर खेल शैली के आगे वह टिक नहीं सकीं। उन्होंने मैच की शुरुआत से ही गलतियों की झड़ी लगा दी और पहले तीन गेम में ही सात अनफोर्स्ड एरर कर बैठीं। सेमीफाइनल में सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि स्वियातेक ने वापसी करते हुए पहला सेट टाईब्रेक में 7-6(1) से जीत लिया, लेकिन सबालेंका ने दूसरा सेट 6-4 से और निर्णायक सेट 6-0 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं और स्वियातेक का खेल बिखरता चला गया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह जीत मेरे लिए खास है, लेकिन मैं जानती हूं कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है। तीसरे सेट में मैं अपनी सर्विस खोज पाई और यह मेरे लिए परफ़ेक्ट रहा। मैच के बाद इगा स्वियातेक ने कहा, यहां खेलना हमेशा से खास रहा है। हालांकि मैं इस बार चैंपियन नहीं बन सकी, लेकिन मैं यहां फिर लौटूंगी। उन्होंने सबालेंका के खेल की तारीफ करते हुए कहा, पहले और तीसरे सेट में उनकी गति और ताकत के आगे मैं संघर्ष करती रही। अब सबालेंका का सामना फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ से होगा, जिन्होंने फ्रांस की वाइल्डकार्ड एंट्री लोइस बॉइसन को आसानी से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा, जिसमें सबालेंका पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने की कोशिश करेंगी।

एनटीपीसी समूह की स्थापित क्षमता 80,265 मेगावाट पर पहुंची

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी की अनुषंगी की अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 1,255 मेगावाट की खावड़ा सौर परियोजना से 110.25 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है। इसके साथ एनटीपीसी समूह की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 80,265 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की पूर्ण अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की 1,255 मेगावाट की खावड़ा-क्रसौर पीवी परियोजना के पहले चरण के तहत 110.25 मेगावाट की क्षमता छह जून को रात 12 बजे बजे वाणिज्यिक रूप से परिचालन में आ गयी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी एनटीपीसी लि. की एक अनुषंगी कंपनी है। इसके साथ ही एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 80,265 मेगावाट हो गई है।

मांग में नरमी से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन प्रतिशत घटी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण कई राज्यों में ग्राहकों के खरीदारी में देरी करने तथा छोटी कारों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार तीन प्रतिशत की गिरावट आई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, पिछले महीने यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,02,214 इकाई रहा, जबकि मई 2024 में यह 3,11,908 इकाई रहा था। इसमें कहा गया, छोटी कारों की मांग सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सीमित वित्तपोषण और कमजोर उपभोक्ता भावना इसकी मुख्य वजह रही। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध संबंधी चिंताएं एवं सीमा पर तनाव बढ़ने से ग्राहकों ने खरीदारी में देरी की। हालांकि, बुकिंग काफी अच्छी रही, लेकिन स्थगित निर्णयों के कारण खुदरा बिक्री में कमी आई। वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार, मई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 16,52,637 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 15,40,077 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 75,615 इकाई रह गई, जिसकी वजह माल ढुलाई चक्र में नरमी, नकदी की तंगी और भू-राजनीतिक तनाव रहा। हालांकि, थोक बिक्री में तेजी आई क्योंकि मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) और डीलरों ने जून, 2025 के अनिवार्य 'एसी ड्राइवर-केबिन' विनियमन से पहले भंडार बनाए रखा था। तिपहिया वाहनों का पंजीकरण मई में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 1,04,448 इकाई हो गया।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान घटाकर 3.7 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान को मौजूदा 4.0 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक ने उम्मीद जतायी है कि जिंसों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी के साथ मुख्य मुद्रास्फीति नरम बनी रहेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुंबई में तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि सामान्य मानसून के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति यानी खुदरा महंगाई दर अब 3.7 फीसदी पर रहने का अनुमान है। इसके अप्रैल-जून तिमाही में 2.9 फीसदी, जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.4 फीसदी, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 3.9 फीसदी और जनवरी-मार्च तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है।

मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई दर का यह अनुमान सभी प्रमुख चीजों में कीमतों के अनुकूल रहने की ओर इशारा करता है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। मल्होत्रा ने कहा, ''अधिकतर अनुमान कच्चे तेल सहित प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में निरंतर नरमी की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा। दरअसल केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को भी 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 तक लगातार तीन महीने चार फीसदी की सीमा से नीचे रही है। खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो इसका छह साल का निचला स्तर है। चार फीसदी से कम औसत खुदरा महंगाई दर का यह अनुमान हाल के वर्षों में सबसे कम है। आरबीआई ने अप्रैल में अपनी मौद्रिक नीति घोषणा में वित्त वर्ष 2025-26 में खुदरा मुद्रास्फीति के औसतन चार फीसदी रहने का अनुमान जताया था।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी 6.50 फीसदी की विकास दर दर्ज की गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश कर रही है। मलहोत्रा ने कहा कि एमपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लिए अपने विकास दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है, जो हमारे पहले के पूर्वानुमान के अनुसार जारी रहेगी। मल्होत्रा ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया है। चालू वित्त वर्ष 2025-2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी की वृद्धि दर 6.50 फीसदी, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में 6.4 फीसदी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह अनुमान दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था हर तिमाही में मजबूत बनी रहेगी, हालांकि वित्त वर्ष के अंत में थोड़ी नरमी देखी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने घरेलू अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को चार फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया गया है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सीएम योगी की मंशा के अनुरूप गांव चौपाल में समस्याओं का हो रहा समाधान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोण्डा में जिलाधिकारी से लेकर खंड विकास अधिकारी तक फील्ड में जाकर सुन रहे समस्याएं

लखनऊ/गोण्डा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गोण्डा जिले में जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल की है। इसके तहत, ग्रामीण समस्याओं के स्थलीय समाधान के लिए ग्राम चौपाल लगाई जा रही है। ग्राम चौपाल के माध्यम से डीएम की अगुवाई में अधिकारी गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और मौके पर ही इन समस्याओं का समाधान भी कर रहे हैं। ''प्रशासन गांव की चौखट पर'' के मूलमंत्र के साथ यह कार्यक्रम न सिर्फ सरकारी कार्यशैली में नया अध्याय जोड़ रहा है, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच विश्वास की नई इबारत भी लिख रहा है। जिला प्रशासन गोण्डा की ओर से प्रारंभ की गई ग्राम चौपाल 3.0 या आईजीआरएस चौपाल, पहल एक अनुसंधान-आधारित, डेटा-संचालित और समाधानोन्मुख प्रयास है। इसकी शुरुआत आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के गहन विश्लेषण से हुई। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने उन गांवों की पहचान की, जहां से बार-बार और सर्वाधिक शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इस वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर ऐसे 40 ग्राम पंचायतों को चिन्हित किया गया जो प्रशासनिक दृष्टि से अधिक संवेदनशील और शिकायत बहुल मानी गईं। इन 40 ग्राम पंचायतों को हाई प्रायोरिटी विलेजेस के रूप में चिह्नित करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे ग्राम चौपाल 3.0 या आईजीआरएस चौपाल से पहले वहां जाकर शिकायतों का स्थलीय परीक्षण करें और अधिकतम मामलों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित करें। खास बात यह भी है कि शिकायतों के निस्तारण पर ही नहीं बल्कि जिलाधिकारी स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता की नियमित समीक्षा भी कर रही हैं, ताकि समस्याओं का स्थायी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। गोण्डा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा के नेतृत्व में ग्राम चौपाल 3.0 की शुरुआत 3 जून से हुई है। इस दौरान आईजीआरएस, समाधान दिवस, जनता दर्शन जैसे माध्यमों से प्राप्त बार-बार की शिकायतों को प्राथमिकता में लेते हुए चिन्हित गांवों में अफसरों की पूरी टीम के साथ समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शुरुआत के दिन पथवलिया, पिपरा पदुम, उमरा, पुरैनिया और दत्तनगर विशेन जैसे गांवों में डीएम खुद पहुंचीं। बिजली, सड़क, शौचालय, नाली, आवास, राशन और विरासत जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों से संवाद किया गया और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देकर समाधान सुनिश्चित कराया गया। उदाहरण के तौर पर उमरा में सरकारी भूमि पर बने अवैध शौचालय हटवाने के आदेश दिए गए। पुरैनिया में वर्षों पुराना नाली विवाद सुलझाया गया। इसी तरह, बिजली की समस्या पर सख्त लहजे में विभाग को चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य केवल शिकायत दर्ज करना नहीं, बल्कि उसके गुणवत्तापूर्ण और स्थायी समाधान को सुनिश्चित करना है। मेरे साथ ही जिले के अन्य अधिकारी स्वयं चौपालों में जाकर यह देख रहे हैं कि समाधान दीर्घकालिक और प्रभावी हैं या नहीं। साथ ही, हर चौपाल से पहले केस-टू-केस समीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। साथ ही, पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।नोडल अधिकारियों को निरीक्षण और रिपोर्टिंग का अधिकार सौंपा गया है। लापरवाही की स्थिति में सीधी जवाबदेही और अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने स्पष्ट कहा कि चौपालों में सभी अधिकारियों की उपस्थिति, सक्रियता और समाधान-प्रधान कार्यशैली अनिवार्य है।

योग की प्राचीन परंपरा आधुनिक जीवन के लिए उपयोगी: कुलपति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ह्लविरासत से विकासः योग की भूमिकाङ्क विषय पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विकास में योग की भूमिका पर गंभीर चर्चा की।विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर वंदना सिंह ने योग की प्राचीन परंपरा को आधुनिक जीवन के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि मानव जाति तन, मन से स्वस्थ रहेगी तभी हम विकास कर पाएंगे. उन्होंने कहा कि योग हमारी दैनिक दिनचर्या में शामिल रहेगा तभी हम जीवन का आनंद ले पायेंगे। स्वस्थ रहने का वरदान भारतीय परंपरा में पहले से था और आज योग को पूरा विश्व मान रहा है।बतौर आमंत्रित वक्ता प्रयागराज के आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक ख्यातिलब्ध योगाचार्य पंकज मिश्र ने कहा कि मस्तिष्क में नए विचारों को जन्म लेने के लिए मन का शांत होना बहुत जरुरी है. आज के इस दौर में योग से ही मन की शांति संभव है. उन्होंने कहा कि मन का विश्राम नहीं हो पा रहा है. इस के पीछे मोबाइल और कंप्यूटर जैसे डिजिटल यंत्रों की भी बड़ी भूमिका है. उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को ऊर्जावान बनाता है और सम्पूर्ण जीवनशैली पर सकारात्मक प्रभाव डालता है. यह केवल शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि एक ऐसी साधना है जिसे अब वैज्ञानिक प्रमाणिकता भी प्राप्त हो चुकी है। बतौर वक्ता लोक दायित्व संस्था के संयोजक पवन कुमार सिंह ने कहा कि योग भारतीय ग्रामीण जीवन और लोक परंपराओं में गहराई से जुड़ा हुआ है. हम सबको इस बात का विशेष गर्व है कि हजारों साल पूर्व प्रारंभ हुई योग परंपरा का लाभ आज पूरा विश्व ले रहा है. इस प्रकार की परम्पराओं को युवा पीढ़ी को अपने से जोड़े रखना चाहिए.जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने कहा कि विरासत में हमें योग मिला है इसे जीवन से जोड़कर आगे ले जाना है. अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव ने किया.कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. श्याम कन्हैया सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया।कार्यक्रम में प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राज कुमार सोनी, प्रो गिरिधर मिश्र, डॉ. राज बहादुर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. शशिकांत यादव, उद्देश्य सिंह, प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, डॉ. सतीश जैसल समेत अन्य उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े चली पुलिस व गोतस्करों में गोलियां, दो गोतस्कर घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गाजियाबाद। थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने शुक्रवार को मुठभेड़ के दौरान तीन गोतस्करों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चली गोली से दो गोतस्कर घायल हो गए। जिनके कब्जे से 02 अदद तमंचा देशी 315 बोर जिसकी नाल में खोखा कारतूस फंसा हुआ, दो जिन्दा कारतूस ,01 काले रंग का पिट्ठू बैग जिसके अंदर मीट काटने के उपकरण छुरी, गडासा, रस्सी के टुकडे, बेहोशी का इंजैक्शन, सीरिंज आदि व घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर प्लेट चोरी की मोटर साइकिल बरामद हुई है। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस अपराधिक घटनाओं के दृष्टिगत थाना क्षेत्र ट्रोनिका सिटी चौकी पुस्ता पर त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये चेकिंग कर रही थी । बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल पर सवार 03 बदमाश पिछले बदमाश की पीठ पर पिट्ठू बैग टंगा हुआ है, संदिग्ध होने पर पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया , नही रूके और तेजी से कट मारकर बागपत रोड की तरफ भागने लगे । थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने आरटी सैट से भाग रहे बदमाशों को सम्बन्ध में सूचना दी गयी । इस सूचना पर गेट नम्बर दो पर चेकिंग कर रही पुलिस द्वारा मोटर साइकिल सवार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया नही रूके और पुलिस के पीछा करने पर अपने आप को घिरता देख पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया तथा पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में 03 बदमाशों में से 02 बदमाश शहजाद उर्फ इंतजार उर्फ भूषण व याहिया खान उर्फ फतेह के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गये । दोनों को गिरफ्तार किया गया तथा तीसरा बदमाश जुल्फिकार को मौके से थोडी दूरी पर गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाश शहजाद उर्फ इंतजार निवासी ग्राम ढकौली पांची थाना चांदीनगर जनपद बागपत ,याहिया खान उर्फ फतेह निवासी रूपनगर निकट पुरानी मस्जिद पानी की टंकी थाना लोनी को इलाज हेतु अस्पताल भेज दिया गया है । तीसरे बदमाश जुल्फिकार पुत्र शहीद अहमद निवासी प्रशान्त विहार थाना लोनी गाजियाबाद को मौके से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आए कि इन्होंने कुछ दिन पूर्व आवास विकास मण्डौला क्षेत्र के जंगल में गौकशी की घटना कारित करके अवशेषो को सीवर के गढ्ढे में डालकर फरार हो गये थे ।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

मीरजापुर। अदलहाट थाना क्षेत्र के नरायनपुर चौकी अंतर्गत नई बस्ती शेरपुर के पास शुक्रवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंदौली जनपद के चकरघट्टा थाना क्षेत्र के पिपराही गांव निवासी अमर जीत राठौर पुत्र गिरधारी के रूप में हुई है। अमर जीत चुनार में अपने एक दोस्त की शादी समारोह में शामिल होकर वाराणसी लौट रहा था। इसी दौरान नई बस्ती शेरपुर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती निजी बस में लगी आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

हाथरस। हाथरस कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली से बिहार जा रही डबल डेकर बस में बीती रात गुरुवार का आग लग गई। आग देख चालक ने बस रोक दी। आग की पूरी तरह से चपेट में आने से पूर्व यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने शुक्रवार को बताया कि एक डबल डेकर बस दिल्ली से बिहार के अरनिया जा रही थी। बस के यमुना एक्सप्रेस-वे से गुजरते समय बीती रात करीब 9:30 बजे गांव मिढावली के पास अचानक आग लग गई। आग देख चालक ने बस हाइवे में रोकते हुए कूद गया और यात्रियों को बहार निकालने के लिए शोर मचाने लगा। आग की लपटें बस में बढ़ने से पूर्व यात्रियों ने शीशे तोड़कर में बहार कूद कर अपनी जान बचाई। इस बीच आग की सूचना पर कोतवाली प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल की गाड़ियां भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं। फायर स्टेशन कर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सीओ ने बताया कि बस में लगी आग हादसे में किसी यात्री को जनहानि नहीं हुई है। हालांकि बस पूरी तरह से जल गई है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय

कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

लीन स्कीम एवं एआई भविष्य में उद्योगों की दिशा और दशा बदलने वाले : राजीव सिंघल

बरेली में उद्योगों के उत्थान के लिए लीन स्कीम एवं एआई सेमिनार का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। सेंट्रल यूपी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री वेलफ़ेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में गुरुवार देर रात को बरेली क्लब में 'लीन स्कीम एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)' विषय पर एक प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों को सरकारी योजनाओं और नवाचारों की जानकारी देकर उन्हें लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ संस्था के अध्यक्ष राजीव सिंघल, सचिव अल्पित अग्रवाल तथा पूर्व अध्यक्षों ने किया। अध्यक्ष सिंघल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि एमएसएमई प्रतिस्पर्धात्मक(लीन) योजना और एआई जैसे विषय न केवल वर्तमान की आवश्यकता हैं, बल्कि आने वाले समय में उद्योगों की दिशा और दशा बदलने में सहायक सिद्ध होंगे। मुख्य वक्ता क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) के मुख्य सलाहकार अमित कुमार ममगई रहे। जिन्होंने 'लीन स्कीम' और भारत सरकार की जीरो डिफ़ेक्ट जीरो इफ़ेक्ट (जेडईडी) प्रमाणन योजना की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना निःशुल्क प्रमाणन के साथ 50,000 रुपये तक की सब्सिडी और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी के लिए 3.5 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान करती है। ममगई ने कहा कि जेडईडी प्रमाणन से न केवल गुणवत्ता में सुधार होता है, बल्कि उद्यमों की साख एवं ब्रांड वैल्यू भी बढ़ती है। इंटरनेशनल बिजनेस मशीन (आईबीएम) से पधारे डाटा वैज्ञानिक एवं एआई विश्लेषक रोहित बत्रा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावसायिक उपयोगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एआई की सहायता से व्यापारिक निर्णयों का स्वचालन संभव है, जिससे समय और संसाधनों की बचत के साथ उत्पादकता में वृद्धि होती है। उन्होंने एआई को व्यवसायों के लिए नए बाजारों में विस्तार और ग्राहकों को बेहतर सेवा अनुभव प्रदान करने का सशक्त माध्यम बताया। पूर्व अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल ने लीन स्कीम एवं एआई को औद्योगिक विकास के लिए ह्लसंजीवनीङ्क बताते हुए कहा कि तकनीकी नवाचारों के माध्यम से व्यवसायी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन एस. के. सिंह ने किया। अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा अध्यक्ष राजीव सिंघल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कुछ नए सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष किशोर कटरू, वी.एस. अग्रवाल, सुरेश सुंदरानी, अजय शुक्ला, संदीप टंडन, नीरज गोयल, डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, सीए मोहित टंडन, पुनीत सक्सेना, मुकेश गुप्ता, राजा चावला, सुधीर गुप्ता, अभिनव कटरू, निशांत अग्रवाल, पवन मित्तल, राजेश अग्रवाल, शेखर अग्रवाल, तुषार अग्रवाल एवं महिला विंग अध्यक्ष अमिता अग्रवाल सहित अनेक प्रतिष्ठित उद्यमियों ने सहभागिता की।

बालिका की हत्या में कोर्ट ने दोषी को सुनाई मृत्युदंड की सजा

महज 10 माह में मिला पीड़ित परिवार को न्याय

कानपुर देहात। कानपुर देहात की अदालत ने भोगनीपुर क्षेत्र में हुई मासूम बच्ची की हत्या के मामले में महज 10 माह 13 दिन में फैसला सुनाते हुए दोषी को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत के फैसले का पीड़ित परिजनों ने खुशी जताई है। शासकीय अधिवक्ता विवेक त्रिपाठी ने शुक्रवार को बताया कि भोगनीपुर थानाक्षेत्र के ग्राम पिपरी में 23 जुलाई 2024 को पारिवारिक रंजिश के चलते एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से हमला कर आठ वर्षीय बच्ची की हत्या कर दी थी। इस घटना में बच्ची की हत्या समेत छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना में पीड़ित वादी विनोद कुमार की शिकायत पर भोगनीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। शिकायत में बताया गया था कि जिला औरैया के दिबियापुर थाना अंतर्गत मुरली का पुरवा निवासी आरोपित दीपू पुत्र मुन्नूलाल ने घरेलू विवाद के चलते बीना देवी, महेन्द्र कुमार, सूर्यांश, पूजा, उमंग और आयुष पर बांके से हमला कर दिया। इस हमले में महेन्द्र कुमार की पुत्री काव्या की मौके पर ही मौत हो गई थी। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया था। मजबूत विवेचना, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, चिकित्सकीय साक्ष्य और चश्मदीद गवाहों के बयानों के आधार पर अभियोजन पक्ष ने अदालत में सशक्त पक्ष रखा। इस केस को ह्लऑपरेशन कन्विक्शनङ्क के तहत विशेष निगरानी में रखा गया। आज एडीजे 06 की अदालत ने आरोपी दीपू को दोषी ठहराते हुए आईपीसी की धाराओं 103(1), 109(1), 118(1), 115 के तहत मृत्युदंड और 15 लाख 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

पासिंग आउट परेड के बाद यूपी को मिले 34 नए पुलिस उपधीक्षक

नए पुलिस उपधीक्षक में नौ महिला और 25 पुरुष शामिल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। डा. भीमराव पुलिस आंबेडकर पुलिस अकादमी में एक वर्ष के कड़े प्रशिक्षण के बाद 34 नए पुलिस उपधीक्षक (डिप्टी एसपी) शुक्रवार को पुलिस अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बन गए। परेड कमांडर अवनीश कुमार सिंह ने सर्व प्रथम पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग तिलोत्तमा वर्मा और अकादमी के एडीजी राजीव सभरवाल को परेड का निरीक्षण कराया। इसके बाद डीजी ट्रेनिंग ने परेड की सलामी ली। अकादमी के एडीजी राजीव सभरवाल ने नए पुलिस उपधीक्षकों को शपथ दिलाई। इस दौरान नए डिप्टी एसपी के परिजन और अभिभावक भी मौजूद रहे। नए डिप्टी एसपी शनिवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलेंगे। एडीजी अकादमी राजीव संभरवाल ने बताया कि यूपी पीसीएस परीक्षा-2023 में चयनित 36 डिप्टी एसपी का बैच करीब एक साल पहले ट्रेनिंग के लिए पुलिस अकादमी मुरादाबाद आया था। इसमें दो अभ्यर्थी बीच में ही ट्रेनिंग छोड़कर चले गए थे। 34 प्रशिक्षु डिप्टी एसपी की 12 माह और 15 दिन का इंडोर और आउटडोर की ट्रेनिंग हुई। फाइनल परीक्षा में सभी अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। इसमें नौ महिला और 25 पुरुष डिप्टी एसपी शामिल हैं। नई दिल्ली के गौरव उपाध्याय सर्वांग सर्वोत्तम, महाराजगंज की आकांक्षा गौतम इंडोर टॉपर और गाजियाबाद के अवनीश कुमार सिंह आउटडोर टॉपर चुने गए हैं, जिन्हें मुख्य अतिथि ने आज सम्मानित किया गया।

निर्जला एकादशी पर तिरंगे के साथ निकली श्री काशी विश्वनाथ की वार्षिक कलश यात्रा

ऑपरेशन सिंदूर और सेना के शौर्य को नमन कर चारों नदियों चिनाब, झेलम, रावी और सिंधु नदी के जल से बाबा के पावन ज्योर्तिलंग का जलाभिषेक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशीपुराधिपति की नगरी में निर्जला एकादशी पर शुक्रवार को तिरंगे के साथ श्री काशी विश्वनाथ की वार्षिक कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में शामिल काशीवासियों ने ऑपरेशन सिंदूर और सेना के शौर्य को नमन कर पूरे देश में अमन चैन के लिए त्रिवेणी, सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास के अलावा काशी, हरिद्वार, ऋषिकेश के गंगाजल से पूरित कलशों से बाबा के पावन ज्योर्तिलंग का अभिषेक किया। सामाजिक संस्था सुप्रभातम एवं श्री काशी मोक्षदायिनी सेवा समिति की ओर से निकली कलश यात्रा की शुरूआत डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट से हुई।

यहां त्रिवेणी, सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास के अलावा काशी, हरिद्वार, ऋषिकेश के गंगाजल से पूरित कलशों का विधिवत वैदिक मंत्रोंच्चार के बीच वैदिक ब्राम्हणों ने पूजन किया। यात्रा में शामिल लोग पारंपरिक परिधानों में घाट पर हर–हर महादेव का परम्परागत उद्घोष करते रहे। कलशों के पूजन के बाद तिरंगा लेकर आस्थावान गंगा तट से काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए प्रस्थान किए। कलश यात्रा में पीएसी बैंड,डमरूदल, शंखनाद करता दल, नंदी पर सवार शिव-पार्वती और भजन मंडली आकर्षण के केंद्र रहे। यात्रा का नेतृत्व हमेशा की तरह भगवान गणेश का विशाल विग्रह कर रहा था। वार्षिक कलश यात्रा के दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कलश यात्रा में रथ पर संस्था के संस्थापक स्व. राजकिशोर गुप्ता (बचानु साव) एवं पूर्व अध्यक्ष स्व. जगदम्बा तुलस्यान के तैल चित्र रखा गया था। रथ के पीछे नंदी पर विराजमान भगवान शिव और माता पार्वती की छवि में कलाकारों की प्रस्तुति विशेष उत्साह भर रही थी। डमरुओं के निनाद के बीच भक्तों के 'हर-हर महादेव के गगनभेदी घोष से राह गुंजायमान रहा। यात्रा मार्ग में जगह-जगह सामाजिक संस्थाओं की ओर से शिव भक्तों की सेवा के लिए कैंप लगाए गए। कहीं अमरस तो कहीं नींबू का शरबत, शीतल जल बांटा गया। शहनाई की मंगल ध्वनि के बीच कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के जत्थे ने दशाश्वमेध, गोदौलिया, हौजकटोरा, बांसफाटक होते हुए ज्ञानवापी स्थित गेट नंबर चार से काशी विश्वनाथ धाम में प्रवेश किया। यात्रा में प्रदेश के पूर्व मंत्री शहर दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के पदाधिकारी,उद्यमी केशव जालान, निधि देव अग्रवाल, सुरेश तुलस्यान, पवन कुमार अग्रवाल, हेमदेव अग्रवाल, दिलीप सिंह, पवन चौधरी आदि शामिल रहे। काशी मोक्षदायिनी सेवा समिति और कलश यात्रा के संयोजन से जुड़े निधि देव अग्रवाल ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ की ?कलश यात्रा पिछले 27 वर्षों से लगातार निकल रही है। इस बार यात्रा ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित की गई। तिरंगे के साथ बाबा के जलाभिषेक के लिए सिंधु नदी का जल लद्दाख से, चिनाब और झेलम नदी के जल के साथ कैलाश मानसरोवर का जल लाया गया। यहां काशी में गंगा का जल,प्रयागराज त्रिवेणी और ऋषिकेश के जल से बाबा का अभिषेक किया गया। बाबा से भारतीय सेना के अजेय होने की कामना की गई।